

लोफतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 81 ● भिलाई, शनिवार 27 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य – 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

छ्त से गिरी मां और एक साल की मासूम बेटी, दोनों की मौके पर ही मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। छ्त से मां और मासूम बेटी गिर गई। इस हादसे में दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मामले सुसाइड या हादसा के एंगल से मामले की जांच में जुट गई है। दरअसल घटना राजवंश कॉलोनी के मित्तल कॉलेज पास की है, जहां 30 वर्षीय गौरी सिसोदिया अपनी एक साल की मासूम बेटी के साथ देर रात को छत पर टकलने गई थी। कुछ देर बाद गिरने के आवाज आई। आवाज के बाद आसपास के लोगों ने देखा तो मां बेटी खून से लथपथ पड़े मिले। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

वाहन की टक्कर से मामा-भांजा की मौत

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के अहिरी सुरौंधा गांव के पास बुधवार की रात को अज्ञात वाहन ने एक बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार मामा-भांजा की मौत हो गई। युवक अपनी बहन के यहां से अपने गांव लौट रहा था। पुलिस सीसीटीवी कैमरों से वाहन के बारे में पता लगाने में जुटी है। रतौरा निवासी पप्पू कोटार्य ने बताया कि उसका छोटा भाई राजेश (30) अपने भांजा प्रयागराज के शंकरगढ़ निवासी राहुल कुमार (24) के साथ नोनमई निवासी सरोजनी देवी के घर बाइक से दोपहर में गए थे। वहां से रात करीब आठ बजे घर लौट रहे थे। अहिरी सुरौंधा गांव के पास पीछे से किसी वाहन ने टक्कर मार दी। इससे दोनों बाइक सवार सड़क में गिर कर घायल हो गए। सूचना पर सीधे पुलिस दोनों को लेकर सुपौचसी पहुंची। वहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। कुछ देर बाद सूचना दी। पप्पू ने बताया कि भाई मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। उसके तीन बेटी रोशनी, ज्योति, हर्षिता व पत्नी भानु देवी हैं।

दिल्ली के जनकपुरी में वसूली की साजिश नाकाम

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली पुलिस ने जनकपुरी इलाके में एक रेस्टोरेंट से रंगदारी वसूलने की साजिश को नाकाम करते हुए बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने कुख्यात काला जटेंडी गिरोह के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो देसी पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, दो स्कूटी और अन्य सामान बरामद किया है। इस कार्रवाई से गिरोह के रंगदारी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। टीम ने इस्पेक्टर आशु गिरोत्रा और राजौरी गार्डन एसपी नीराज टोकस के नेतृत्व में काम करते हुए गुप्त सूचनाओं, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपियों के ठिकानों पर लगातार छापेमारी की। डां और रेड के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को दबोच लिया। इन्हें से दो आरोपी हाल ही में जमानत पर छूटे थे और पहले भी रंगदारी व हत्या के प्रयास जैसे मामलों में शामिल पाए गए थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ अमित चंडोक (37) के रूप में हुई। वह दिल्ली के तिहाल विहार का रहने वाला है। गुरप्रीत के ऊपर 18 से अधिक आपराधिक मामलों का मुकदमा दर्ज है।

छत्तीसगढ़ में गिरा स्टील प्लांट का बड़ा हिस्सा

सिलतरा में स्टील प्लांट की इमारत गिरने से छह की मौत

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में स्टील प्लांट का बड़ा हिस्सा गिर गया है। इसमें 6 लोगों की मौत की खबर है। घटना रायपुर के एक प्राइवेट स्टील प्लांट की है। यहां शुक्रवार को प्लांट का एक हिस्सा गिर गया। इसकी चपेट में आने से कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। घटना छत्तीसगढ़ की राजधानी के बाहरी इलाके सिलतारा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित गोदावरी इस्पात लिमिटेड के कारखाने में हुई। जानकारी के मुताबिक प्लांट में मेंटेनेंस कार्य के बाद जांच करते पहुंचे कर्मचारियों पर अचानक सिल्ली गिर गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद बचाव

कार्य शुरू कर दिया गया। हादसे के घायलों की स्थिति और हादसे के कारणों की जानकारी फ्लिहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना ने सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रायपुर एसपी लखन पटेल ने बताया कि हादसे में 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। कुछ लोगों के दबे होने की आशंका के तहत राहत और बचाव कार्य किया जा रहा है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे की सूचना के बाद रायपुर पुलिस और जिला प्रशासन की टीमों मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चला रही हैं। हादसे के कारण प्लांट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल है। घटना की जानकारी मिलने ही रायपुर



जिला प्रशासन के तमाम बड़े अधिकारी प्लांट में पहुंच गए हैं। घायलों को रायपुर के जिला और मेकाहारा अस्पताल में अस्पताल भेजा गया है। अभी कितने लोग मलबे में दबे हैं, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ पाई है। सिलतरा क्षेत्र के गोदावरी इस्पात एवं पावर प्लांट में हादसे की

खबर के बाद लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई है। पुलिस और जिला प्रशासन के अप्सर कंपनी के अंदर मौजूद हैं। मुख्य गेट को बंद कर दिया गया है। बाहर मजदूरों और स्थानीय लोगों को भीड़ भी बढ़ रही है। धरसीवा थाना क्षेत्र की पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने मौजूद हैं। जानकारी के

अनुसार, यह हादसा धरसीवा थाना क्षेत्र में हुआ। दरअसल, यहां एक प्लांट में निर्माण का कार्य चल रहा था। इसी दौरान फैक्ट्री के अंदर भारी मशीनरी का एक टुकड़ा गिर गया, जिसकी चपेट में कई मजदूर आ गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर रायपुर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। फ्लिहाल पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी हालात पर नजर बनाए हुए हैं और मृतकों की संख्या को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। सूत्रों के मुताबिक, मरने वालों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है। खबरों के मुताबिक, इस दर्दनाक हादसे में कई कर्मचारियों की मौत हो गई।

सीएम साय ने शोक व्यक्त किया

इस हादसे को लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिली है। सीएम ने मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए घायल मजदूरों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है

कांग्रेस ने हादसे की जांच की मांग की

कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिक्षि वरुण दास महंत ने कहा, रायपुर गोदावरी इस्पात हादसे में अब तक 06 लोगों की दुर्घटना में मृत्यु की खबर बेहद दुःखद है. मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं. ईश्वर उन्हें यह असहनीय पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें. साथ ही दुर्घटना में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं. शासन प्रशासन उक्त घटना की हर पहलू की जांच करे एवं मृतक परिवारों को आर्थिक मदद जल्द से जल्द पहुंचाये.

बरेली में बवाल

आई लव मोहम्मद के बैनर लेकर सड़कों पर उतरे सैकड़ों लोग,तोड़फोड़ हंगामा तौकीर रजा नजरबंद

बरेली। बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। शहर के अलग-अलग इलाकों में आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर बैनर लेकर सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे। इस दौरान खलील स्कूल के पास कुछ शरारती तत्वों ने तोड़फोड़ की। पुलिस ने स्थिति पर काबू पाने के लिए लाठी पटकों। साथ ही मौलाना तौकीर रजा को नजरबंद कर लिया गया है। डीआईजी रेंज बरेली अजय कुमार साहनी ने कहा कि नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। कुछ शरारती तत्व

माहौल खराब करना चाहते थे, उन्हें खदेड़ दिया गया है। श्यामगंज में पुलिस ने प्रदर्शन करने वालों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान एसपी क्राइम से नोकझोंक भी हुई, लेकिन जुलूस के रूप से भीड़ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ती गई। स्थिति को देखते हुए श्यामगंज में पुलिस ने दुकानों भी बंद करा दी गई। नौमहला मस्जिद के बाहर भी सैकड़ों लोग जुटे। लोगों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। वहीं, खलील स्कूल के पास प्रदर्शनकारियों ने अचानक वाहनों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास



किया, लेकिन वह नहीं माने। प्रदर्शनकारियों को शांत कराने के लिए पुलिस ने लाठियां पटकों तो भगदड़ मच गई। इतेहाद-ए-मिल्लत काँसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के

एलान के बाद से शहर में गहमागहमी का माहौल है। मौलाना ने आई लव मोहम्मद मामले में डीएम के जरिए राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजने की बात कही है। ज्ञापन में लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से

फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस तो देशद्रोही अब भारत-पाक मैच पर सब चुप क्यों

मुंबई। पंजाबी सुपरस्टार और ग्लोबल आइकन दिलजीत दोसांझ अपनी फिल्म ‘सरदार 3’ को लेकर हुए विवाद पर लंबे समय से चुप थे, लेकिन अब उन्होंने इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। अपने ‘औरा वर्ल्ड टूर’ के तहत मलेशिया में हुए एक कॉन्सर्ट के दौरान, दिलजीत ने ‘देशद्रोही’ कहे जाने पर भावुक होकर अपनी बात रखी और पाखंड पर भी सवाल उठाए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही कॉन्सर्ट की क्लिप में दिलजीत सबसे पहले मंच से भारतीय ध्वज को सलाम करते हैं। वह कहते हैं, वो मेरे देश दा झंडा है। इसके लिए हमेशा रिस्पेक्ट है। इसके बाद उन्होंने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, मेरी फिल्म सरदार जी 3 की शूटिंग फरवरी में हो गई थी।

राहुल गांधी का भाजपा पर वार

भाजपा का दूसरा नाम पेपर चोर युवाओं के साथ खड़ा हूं-राहुल..

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा 2025 में गड़बड़ी के आरोपों के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को भाजपा पर नए हमले किए और उस पर पेपर चोर होने का आरोप लगाया। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, आज भाजपा का दूसरा नाम है – पेपर चोर! देश भर में बार-बार हो रहे पेपर लीक ने लाखों मेहनती युवाओं के जीवन और सपनों को बर्बाद कर दिया है।



उत्तराखंड में यूकेएसएसएससी पेपर लीक इसका ताजा उदाहरण है। लाखों युवाओं ने दिन-रात मेहनत की, लेकिन भाजपा ने चोरी करके उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। कांग्रेस सांसद ने आगे आरोप लगाया कि मोदी सरकार

को सिर्फ अपनी सत्ता की चिंता है, युवाओं की बेरोज़गारी की नहीं। सोशल मीडिया पोस्ट में आगे कहा गया कि हम लगातार मांग कर रहे हैं कि पेपर लीक रोकने के लिए एक मजबूत और पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाए। लेकिन मोदी सरकार इस पर आँखें मूंदे हुए है – क्योंकि उन्हें युवाओं की बेरोज़गारी की नहीं, बल्कि अपनी सत्ता की चिंता है। यह टिप्पणी उनके उस आरोप के एक हफ्ते बाद आई है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान कर्नाटक के अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वोट चोरी की कोशिश की गई थी।

बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना’ की शुरुआत

इससे सामाजिक व्यवस्था में आएगा बड़ा बदलाव-पीएम मोदी

पटना। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उसके शासनकाल में बिहार की महिलाओं को भारी तकलीफें झेलनी पड़ें। साथ ही उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली पार्टी और उसके सहयोगी दल राज्य में दोबारा सत्ता में न लौट सकें। प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ‘मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना’ की शुरुआत के अवसर पर बिहार की महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। इस योजना के तहत राज्य की 75 लाख महिलाओं को आजीविका गतिविधियों के लिए 10-10

हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री ने कहा, “नवरात्रि के पावन अवसर पर महिलाओं का आशीर्वाद मेरे लिए बड़ी शक्ति है। आज से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत हुई है। अब तक 75 लाख बहनें इस योजना से जुड़ चुकी हैं और सभी के खातों में 10-10 हजार रुपये भेजे गए हैं। उन्होंने कहा, “जब कोई बहन या बेटी रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ती है, तो उसके सपनों को पंख लगते हैं और समाज में उसका सम्मान भी बढ़ता है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जनधन योजना का भी उल्लेख किया और कहा कि यदि महिलाओं के बैंक खाते न खोले गए होते, तो यह राशि सीधे उनके खातों में नहीं पहुंच पाती। पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा,



“पहले एक प्रधानमंत्री कहा करते थे कि दिल्ली से एक रुपया भेजा जाता है, तो जमीन पर सिर्फ 15 पैसे पहुंचते हैं और 85 पैसे कोई पंजा मार लेता है। लेकिन आज जो 10-10 हजार रुपये भेजे गए हैं, उन्हें कोई लूट नहीं सकता। उन्होंने कहा,

“इस योजना से केंद्र सरकार के ‘लखपति दीदी अभियान’ को भी नई ताकत मिली है। अब तक दो करोड़ से अधिक महिलाएं ‘लखपति दीदी’ बन चुकी हैं और हमारा लक्ष्य तीन करोड़ तक पहुंचने का है। मुझे उम्मीद है कि सबसे

अधिक ‘लखपति दीदी’ बिहार से बनेंगी। महिला सशक्तीकरण पर प्रधानमंत्री ने कहा, “आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में सेना और पुलिस बलों में शामिल हो रही हैं। वे लड़ाकू विमान भी उड़ा रही हैं-यह हर महिला के लिए गर्व की बात है।” प्रधानमंत्री ने राजद सरकार के कार्यकाल की आलोचना करते हुए कहा, ज़ेलकिन हमें वे दिन भी नहीं भूलने हैं, जब बिहार में राजद का शासन था। ‘लाल टेन’ (राजद का चुनाव चिह्न) का राज था, उस दौरान अराजकता और भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा मार मेरी बिहार की माताओं-बहनों ने झेली। वो दिन जब बिहार की बड़ी-बड़ी सड़कें टूटी-फूटी होती थीं, पुल-पुलिया का नाम नहीं था। इन हालातों में सबसे अधिक तकलीफ हमारी माताओं-बहनों को ही उठानी पड़ी।

योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने का काम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार, दोनों ही नेताओं की राजनीति में महिलाओं के सशक्तिकरण योजनाओं की अहम भूमिका रही है। मोदी ने गुजरात का मुख्यमंत्री रहने से लेकर देश का प्रधानमंत्री बनने तक अनेक योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने का काम किया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी अनेक योजनाओं से प्रधानमंत्री ने महिलाओं के आर्थिक- सामाजिक सशक्तिकरण का काम किया है।



संस्कृत, अलावा मैथिलीन दौड़ में लोकप्रिय प्रदर्शन के लिए महिला कमाण्डों रुखमणी ठाकुर, भावती एवं सरस्वती साहू को विशेष पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने नमो मैथिलीन दौड़ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विजेता प्रतिभागियों के इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की सराहना करते हुए हुनू हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि नमो मैथिलीन दौड़ के अंतर्गत प्रथम स्थान अर्जित करने वाले प्रतिभागियों को 5001 रुपये, द्वितीय स्थान अर्जित करने वालों को 3001 रुपये तथा तृतीय स्थान अर्जित करने वाले प्रतिभागियों को 2001 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सभी विजेता प्रतिभागियों को समाज कल्याण विभाग कार्यालय, मुजफ्फरगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के माध्यम से पुरस्कार राशि का वितरण किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व विधायक उपाध्याय ने सरकार से किया सवाल
हार्ट सर्जरी बंद क्यों

रायपुर। पूर्व विधायक विकास अग्रवाल ने 55 दिन से बायपास व ओपन हार्ट सर्जरी बंद होने पर सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा है कि क्या मेकाहारा में ओपन हार्ट सर्जरी बंद कर प्रायवेट अस्पतालों से आपकी मिलीभगत तो नहीं। छत्तीसगढ़ की जनता को कभी आयुष्मान के नाम पर तो कभी दवाईयों को लेकर तो कभी सर्जरी के नाम पर भटकाया जा रहा है। उपाध्याय ने कहा कि मोदी की हर गारंटी छत्तीसगढ़ में शून्य है। 3 साल से ऑपरेशन थियेटर अधूरा पड़ा है, 10 करोड़ का प्रावधान केवल कागजों में ही सीमट कर रह गया है जनता के ईलाज हेतु मिले फंड को छ.ग. की बीजेपी सरकार अपनी जेबों में भर रही है। एसीआई में बच्चों की हार्ट सर्जरी और ट्रांसप्लांट जो कि सालभर से प्रस्तावित है अभी तक शुरू नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ में बीजेपी की साय सरकार लगातार अपनी नाकामी प्रदर्शित कर रही है जिसे छत्तीसगढ़ की जनता बखूबी देख-समझ रही है और कांग्रेस पार्टी जनता के हित में सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ सड़क पर लड़ाई लड़ने कमर कस ली है। उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य विभाग गरीब व मध्यम परिवारों के लिये सभी मुफ्त व सस्ती चिकित्सा समाप्त कर रही है गरीब व मध्यम परिवारों की जान से खिलवाड़ कर रही है। कांग्रेस पार्टी शीघ्र ही स्वास्थ्य मंत्री के निवास की घेराव करेगी और छत्तीसगढ़ की जनता को न्याय दिलायेगी। 0

मंत्रालय में अब अधिकारी-कर्मचारियों का होगा एआई प्रशिक्षण

रायपुर। राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए यह निर्णय लिया है कि अब मंत्रालयों में काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारी (मध्यम स्तर और उच्च पदों पर) सरकारी कामकाज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना-प्रौद्योगिकी की सहायता लेंगे। जारी आदेश जिसमें बताया गया है कि इन तकनीकी उपकरणों का उपयोग सुचारु रूप से कैसे किया जाए, इस पर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। नए आदेश के अनुसार, प्रशिक्षण कार्यक्रम तुरंत शुरू हो जाएगा और इसे भारतीया सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में कराया जाएगा। विभागीय स्तर पर उप सचिव, वरिष्ठ सहायक, अधीक्षण शाखा के अधिकारी, कनिष्ठ सहायकता और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत कर्मियों को इस प्रशिक्षण में हिस्सा लेने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण का समय सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि लगभग एक महीने की होगी और इस दौरान किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अवकाश नहीं दिया जाएगा; यदि किसी को अपरिहार्य कारणों से अनुपस्थित होना हो, तो उन्हें पूर्व में अनुमति लेनी होगी। इससे संकेत मिलता है कि सरकार इस कार्यक्रम को कितनी गंभीरता से ले रही है। प्रशिक्षण पहले सामाजिक विभागों, स्वास्थ्य, जल संसाधन, कृषि, शिक्षा, न्याय एवं सुरक्षा विभागों को चरणबद्ध आधार पर शामिल किया जाएगा। कभी-कभी दो विभागों का समूह एक ही दिन प्रशिक्षण में शामिल होगा ताकि समन्वय बेहतर रहे। त्रिपाठी

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कामर्स की बेहतरीन पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला चेम्बर के इतिहास में पहली बार ऐसा होने जा रहा है कि मैग्रेटो मॉल में महिलाओं द्वारा एक बाजार की शुरुआत होने जा रही है जिसमें महिलाओं द्वारा निर्मित स्वदेशी वस्तुओं का विक्रय किया जाए ?गा.। इसमें छत्तीसगढ़ी व्यंजन / नाश्ता, आचार, पापड़ गोबर द्वारा निर्मित आगरबत्ती, दिए, महिलाओं द्वारा ही घर में बनाया गया कैमिकल रहित साबुन, कपड़े या जो भी चीजें महिलाएं बनाती हैं वह विक्रय किए जाएंगे। उक्त जानकारी चैंबर अध्यक्ष डॉ. इला गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया चेंबर की तरफ से एक प्रयास किया जा रहा है ताकि जो महिलाएं छोटे या बड़े स्तर पर अपना कारोबार शुरू करना चाहती हैं उनकी एक बढिया प्लेटफॉर्म मिल सके और यह अपने काम की शुरुआत कर सके। वहीं कोषाध्यक्ष प्रदेश महामंत्री मनीषा तारवानी कोषाध्यक्ष नम्रता ने पहल की पूरी जानकारी दी। हर महीने लगेगा मेग्नेटो में बाजार समाज की हर महिला की श्राहिश होती है कि वह भी अपना एक अलग स्थान बनाएं और नई ऊंचाइयों को छुए । उसकी खुद की एक पहचान हो, और यह मोका दे रहा है छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स इंडस्ट्रीज हर महीने के दूसरे एवं चौथे बुधवार को मैग्रेटो मॉल में ग्राउंड फ्लोर पर यह बाजार लगेगा इसमें कोई भी महिला अपना स्टॉल लगा सकती है। इससे ना केवल महिलाओं का आत्म विश्वास बढ़ेगा बल्कि उन्हें एक नई पहचान भी मिलेगी। कई बार महिलाएं बहुत ज्यादा पढ़ाई नहीं कर पाती हैं। परंतु गृह कार्य से लेकर हर कार्य में दक्ष होती हैं, लेकिन डिग्री न होने के कारण हीनभवन से ग्रस्त हो जाती हैं और स्वयं को कामकाज आंकने लगती हैं। परंतु उनके पास कुछ ऐसा हुनर होता है जिसे वह समाज में अपनी पहचान बना सकती है। चैंबर की महिला प्रतिनिधित्व के द्वारा महिलाओं के हुनर को पहचान मिलेगी साथ ही साथ उन्हें आर्थिक स्वावलंबन भी हासिल होगा।

जनता की समस्याओं को हल करने में

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की है अहम भूमिका-साय

■ मुख्यमंत्री श्री साय से राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से चर्चा के दौरान कहा कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रशासन की धुरी हैं। जनता की समस्याओं को हल करने में उनकी अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के साथ-साथ आपको प्रबुद्ध नागरिक के रूप में समाज की भी चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बेहतर समाज के निर्माण में आप सभी अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी अधिकारियों को पदेन दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं। छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संचालक श्री टी.सी. महावर ने मुख्यमंत्री श्री

साय को अवगत कराया कि इन अधिकारियों का 7 अप्रैल 2025 से प्रारंभ हुआ इंडक्शन कोर्स अब समाप्त हो रहा है। इसके बाद ये सभी अधिकारी राज्य के विभिन्न जिलों में डिप्टी कलेक्टर के रूप में सेवा देंगे, जहाँ वे शासन के विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को समझेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से उनके प्रशिक्षण के अनुभव भी जाने। उन्होंने कहा कि यह आपका सौभाग्य है कि आपको राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के रूप में जनता की सेवा का अवसर मिला है। यह अवसर सभी को नहीं मिलता। पूरे मनोयोग से इस अवसर का लाभ उठाते हुए निष्ठा और समर्पण के साथ अपने प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन का काम जनहित की नीतियों बनाना है, लेकिन उनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों पर ही रहती है। छत्तीसगढ़ एक अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ प्रचुर मात्रा में खनिज और वन संपदा है, मिट्टी उर्वरा है और पावर सेक्टर बहुत मजबूत है। राज्य के विकास में नक्सलवाद एक बड़ी



रुकावट था, जो अब अपनी अंतिम सौंसें गिन रहा है। हमारे जवान पूरी मुस्तैदी से नक्सलियों का मुकाबला कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सल समस्या का उन्मूलन कर

दिया जाएगा। हमारे बहादुर जवान डटकर मुकाबला कर रहे हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति के बाद छत्तीसगढ़ और तेजी से विकसित होगा। राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के रूप में आपकी जिम्मेदारी भी और अधिक बढ़ जाएगी। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज

गृह मंत्री अमित शाह का मुरीया दरबार में शामिल होना गौरव का विषय

रायपुर। छत्तीसगढ़ की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार लगातार पिछले 19 महीने से लगातार नक्सलवाद के विरुद्ध ऑपरेशन चल रहे हैं साथ ही नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह जी विश्व के ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शामिल होने आ रहे हैं जो कि गौरव की बात हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने मोडिया चर्चा में कहा कि पूर्व गृहमंत्री की शिकायत को गंभीरता से लिया जा रहा है और जांच के बाद ही इस मामले में निर्णय लिया जाएगा। सीएम ने कहा कि ननकीराम कंवर भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और उनके पत्र पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

रायपुर के पारागांव में आकाशीय बिजली का कहर,27 बकरियों की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर से सटे नवापारा क्षेत्र के पारागांव में शुक्रवार को तेज बारिश और गरज-चमक के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। महानदी किनारे चर रही 27 बकरियां-बकरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 बकरियां घायल बताई जा रही हैं। घटना के समय गांव के कुछ चरवाहे अपने मवेशियों को नदी किनारे ले गए थे, तभी अचानक मौसम बिगड़ गया और तेज बारिश शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गरज-चमक के साथ बिजली गिरी और उसके संपर्क में आने से सभी मवेशी वहीं गिर पड़े। घटना के बाद जब चरवाहे और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि अधिकांश बकरियां बिल्कुल शांत अवस्था में मृत पड़ी थीं। कुछ बकरियां कराहती हुई दिखीं, जिन्हें ग्रामीणों ने तुरंत गांव लाकर प्राथमिक इलाज देने की कोशिश की। पीड़ित पशुपालकों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह उनकी जीविका का एकमात्र साधन था और इस घटना से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय राजस्व विभाग और पशु चिकित्सा टीम को जानकारी दी गई है। मौके पर पहुंचकर टीम ने मृत मवेशियों का पंचनामा तैयार किया और घायलों का इलाज शुरू किया।



पिप्ले, मनोज पिंगुआ एवं ऋचा शर्मा को सुपरसिड कर विकासशील को मुख्य सचिव बनाने से वरिष्ठ अधिकारियों में आश्चर्य व्याप्त है। ज्ञात रहे विकासशील साहब एशिया डेव्लपमेंट अध्यक्ष पद पर बतौर चेयरमैन सिंगापुर में कार्यरत है। इसके पहले वे जल जीवन मिशन में कार्यरत थे। जल जीवन मिशन में

स्वच्छता केवल सरकार का काम नहीं,बल्कि समाज की जागरूकता भी जरूरी



रायपुर/ संवाददाता

राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने आज सागरंद जिले में आयोजित विशेष कार्यक्रम में स्वच्छता, सेवा और सुशासन को लेकर जनता के बीच संदेश दिया। उन्होंने महात्मा गांधी के सपनों के भारत का स्मरण कर कहा कि गांधीजी का भारत केवल राजनीतिक आज़ादी तक सीमित नहीं था, बल्कि एक स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित भारत की परिकल्पना पर आधारित था। मंत्री श्री वर्मा ने स्वच्छता शपथ दिलाते हुए कहा कि मैं संकल्प लेता हूं कि स्वयं, परिवार, मोहल्ला, गांव और कार्यस्थल से स्वच्छता की शुरुआत करूंगा। हर सप्ताह 2 घंटे दूंगा और 100 घंटे सालाना स्वच्छता के लिए समर्पित करूंगा। जब देश स्वच्छ होगा तभी स्वस्थ भारत का निर्माण संभव होगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि 25 वर्ष का हमारा प्रदेश संसाधनों और उपलब्धियों से परिपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की योजनाएं अंतिम छोर तक पहुंच रही हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने श्रमिक बंधुओं के लिए पंजीयन एवं लाभ

वितरण की व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा बच्चों की शिक्षा को लेकर श्रम विभाग के प्रयासों की सराहना की। वहीं महतारी वंदन योजना को लेकर कहा कि छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जिसने 70 लाख माताओं तक योजना का लाभ पहुंचाकर देश में उदाहरण प्रस्तुत किया है। धान बोनस, तैंदुपता संग्रहण, भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10 हजार की डायरेक्ट सहायता और डिजिटल तकनीक से राजस्व प्रबंधन जैसे कदमों को उन्होंने सुशासन और पारदर्शिता की मिसाल बताया। श्री वर्मा ने जोर देते हुए कहा कि स्वच्छता केवल सरकार का काम नहीं है, बल्कि समाज की जागरूकता जरूरी है। यदि हम कचरे को सही स्थान पर डालें और सफई व्यवस्था का पालन करें, तो बीमारियों से बचाव और स्वस्थ जीवन संभव है। उन्होंने पॉडिट दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके अंत्योदय के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सुशासन है। आज हम सबको संकल्प लेना चाहिए कि अपने घर, मोहल्ले और गांव को स्वच्छ बनाएंगे और स्वच्छता अभियान को सफल करेंगे।

जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई
करोड़ों के कर अपवंचन का खुलासा

रायपुर/ संवाददाता

राज्य कर (जीएसटी) विभाग ने गुटखा कारोबार में बड़े घोटाले का पर्दाफाश करते हुए सितार ब्रांड के गुटखा निर्माता गुरुमुख जुमनानी को गिरफ्तार कर लिया है। विभागीय पत्तार में सामने आया कि जुमनानी पिछले चार वर्षों से बिना जीएसटी पंजीयन के गुटखा निर्माण कर करोड़ों रुपये का कर अपवंचन कर रहा था। जीएसटी विभाग द्वारा 25 और 27 जून 2025 को दुर्ग और राजनांदगांव में की गई जांच के दौरान यह मामला उजागर हुआ। जांच में पाया गया कि वर्ष 2021 से लगातार सितार गुटखा का उत्पादन अवैध रूप से किया जा रहा था। इसके बाद विभाग द्वारा जुमनानी को समन जारी किया गया, लेकिन वह दो माह तक उपस्थित नहीं हुआ।

जांच में पाया गया कि उन्होंने अप्रैल 2021 से सितम्बर 2022 तक राजनांदगांव के ग्राम मनकी और खैरागढ़ के ग्राम ठेलकाडीह में, जनवरी 2023 से जून 2023 तक रायपुर के मंदिर हसीद एवं भनपुरी में तथा जुलाई 2023 से जून 2025 तक दुर्ग के बाईरडीह, जोरताराई और गनियारी क्षेत्र में फैक्ट्रियां संचालित कीं। प्रशासनिक छापों से बचने के लिए कारोबारी हर महीने फैक्ट्री का स्थान बदल देते थे तथा माल को विभिन्न नामों से गोदामों में छिपाकर बाजार में बेचते थे। जांच में यह भी सामने आया कि जुमनानी ने अपने बेटे सागर जुमनानी के नाम से कोमल फूड नामक सुपारी गोदाम खोला, लक्ष्य ओर उपलब्धियों के बारे में जानकारी ली और उन्हें मार्गदर्शन दिया। प्रयास स्टेट टॉपर प्रियंका मेरावी, कक्षा 10वीं की टॉपर भूमिका साहू, पीवीटीजी वर्ग के टॉपर पतिराम तथा खो-खो की नेशनल खिलाड़ी अनुराधा मरकाम ने राज्यपाल से अपने विचार एवं आकांक्षाएं साझा कीं। पीवीटीजी टॉपर पतिराम ने राज्यपाल को बताया कि वे भविष्य में शिक्षक बनना चाहते हैं। इस पर राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने मेधावी बच्चों से किया संवाद

राज्यपाल ने मार्गदर्शन दिया बोले-मेहनत और लगन से हासिल करें अपने सपने.....

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज भोरमदेव मंदिर परिसर में कबीरधाम जिले के प्रतिभाशाली एवं मेधावी विद्यार्थियों से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से उनके सपनों, लक्ष्य और उपलब्धियों के बारे में जानकारी ली और उन्हें मार्गदर्शन दिया। प्रयास स्टेट टॉपर प्रियंका मेरावी, कक्षा 10वीं की टॉपर भूमिका साहू, पीवीटीजी वर्ग के टॉपर पतिराम तथा खो-खो की नेशनल खिलाड़ी अनुराधा मरकाम ने राज्यपाल से अपने विचार एवं आकांक्षाएं साझा कीं। पीवीटीजी टॉपर पतिराम ने राज्यपाल को बताया कि वे भविष्य में शिक्षक बनना चाहते हैं। इस पर राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ



कौशल का विकास भी आवश्यक है। उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए बनाए गए विशेष प्रावधानों की जानकारी देते हुए आश्चर्य किया कि बच्चों की प्रगति के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। खो-खो नेशनल खिलाड़ी अनुराधा मरकाम ने बताया कि वह कक्षा 11वीं में अध्ययनरत हैं। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना चाहती हैं। राज्यपाल ने प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेलों का बहुत व्यापक दायरा है, मेहनत और लगन से सफलता निश्चित मिलेगी। दसवीं टॉपर भूमिका साहू ने अपने लक्ष्य के बारे में बताया कि वे भविष्य में प्रोफेसर बनकर पढ़ाई को रोचक और आनंदमय तरीके से विद्यार्थियों तक पहुंचाना चाहती हैं।



संपाकीय

पारदर्शिता लोकतंत्र का जीवन है। जनता की ओर से प्रश्न उठना भी लोकतंत्र में एक स्वाभाविक और जरूरी प्रक्रिया है। साथ ही संदेहों और सवालों के जवाब अगर समय पर सामने आ जाएं, तो इससे देश में लोकतांत्रिक जड़ें मजबूत ही होंगी। मगर कई बार राजनीतिक उठा-पटक के बीच धुंध जब ज्यादा गहरी हो जाती है, तब विश्वास का संकट खड़ा होने की आशंका उपजती है।इस लिहाज से देखें तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से पिछले कुछ समय से

इस टकराव में जनता का भरोसा न टूट जाए

मतदाता सूची में हेरफेर को लेकर जिस तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं, वे अब बहस का मुद्दा बन चुके हैं और आम लोगों के सामने एक तरह के उहापोह की स्थिति बनती जा रही है। ऐसे में जरूरी यह है कि चुनाव आयोग अपने स्तर पर सामने आकर इससे उपजे सभी तरह के संदेहों को दूर करे, ताकि मतदान की प्रक्रिया को लेकर विश्वसनीयता का संकट खत्म हो।गौरतलब है कि गुरुवार को राहुल गांधी ने एक बार फिर मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने को लेकर सवाल

उठाया और कर्नाटक में आलंद निर्वाचन क्षेत्र का हवाला देते हुए कहा कि वहां किसी ने गलत तरीके से 6,018 वोट हटाने की कोशिश की। मगर इस क्रम में चूकि खुद बृथ-स्तरीय अधिकारी के संबंधी का वोट भी हट गया था, इसलिए उसकी जांच के बाद सिरे खुलते गए, जो बेहद चिंताजनक थे।महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में भी ऐसा ही मामला देखा गया। जाहिर है, मतदाता सूची से वैध मतदाताओं का नाम हटाने का यह आरोप बेहद गंभीर है और इसकी व्यापक जांच होनी चाहिए।

मगर इस मसले पर निर्वाचन आयोग की ओर से फिर से एक संक्षिप्त जवाब आया कि इस तरह मतदाताओं का नाम हटाने को लेकर लगाए गए आरोप गलत और आधारहीन हैं।कुछ समय पहले भी जब

राहुल गांधी ने कर्नाटक में ही फर्जी मतदाताओं को सूची में जोड़ने का आरोप लगाया था, तब भी मुख्य चुनाव आयुक्त ने उसे खारिज कर दिया था। सवाल है कि मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम फर्जी तरीके से जोड़ने या फिर हटाने के इस समूचे मामले को अब जिस तरह देखा जा रहा है, क्या आयोग के संक्षिप्त जवाब से इससे संबंधित आशंकाओं का निराकरण हो सकता है। दरअसल, जरूरत इस बात की है कि

निर्वाचन आयोग इस मामले की व्यापक और निष्पक्ष जांच करा कर इससे संबंधित तथ्य जनता को उपलब्ध कराए, ताकि आम लोगों का विश्वास लोकतंत्र को मजबूती देने की प्रक्रिया में बना रहे।विडंबना यह है कि संविधान में जिस मतदान के जरिए लोकतंत्र को सुरक्षित रखने की ठोस व्यवस्था की गई है, उसे सुनिश्चित करने के लिए तैयार होने वाली मतदाता सूची में गड़बड़ी के इतने गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं और उस पर कोई पड़ताल कायम होने के बजाय यह सवाल महज राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के दुश्क्रम में उलझता दिख रहा है।इसी तरह, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भी आयोग के रुख पर सवाल उठ चुके हैं।

नियम-कायदों की अनदेखी से एम्बुलेंस सेवाएं बन रहीं जानलेवा

हंसराज चौरसिया

आज की तेजी से बदलती जीवनशैली और बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं के दौर में एम्बुलेंस सेवाएं हमारी जीवनरेखा बन चुकी हैं। कोई भी गंभीर स्वास्थ्य आपातकाल चाहे वह दिल का दौरा हो, सड़क हादसा हो, या किसी अन्य आकस्मिक चोट वास्तव में समय की लड़ाई होती है। ऐसे समय में एम्बुलेंस का महत्व अत्यंत बढ़ जाता है, क्योंकि यह केवल मरीज को अस्पताल तक पहुंचाने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच का पुल बन जाती है। लेकिन जब यही एम्बुलेंस सेवा, जो जीवन बचाने के लिए बनी थी, खुद खतरे का कारण बन जाए, तो यह समाज के लिए गंभीर चुनौती बन जाती है। यह विडम्बना तब उपन्न होती है, जब नियम-कायदों की अनदेखी और लापरवाही के चलते ये सेवाएं मरीज और अन्य लोगों दोनों के लिए जानलेवा साबित होती हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एम्बुलेंस सेवाओं की भूमिका तेजी से बढ़ी है। बड़े शहरों में रात-दिन दौड़ती एम्बुलेंसें, जिनमें हर उपकरण उपलब्ध होने का दावा होता है, कई बार सिर्फ दिखावे तक सीमित रह जाती हैं। उन्हें चलाने वाले चालक नियमों का उल्लंघन करते हैं, वाहन के रख-रखाव में लापरवाही होती है, और मरीज को ले जाने के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी होती है। इसका परिणाम यह होता है कि मरीज की जान को बचाने के बजाय जोखिम में डाल दिया जाता है। हमारे देश में कई बार ऐसी घटनाएं देखने को मिली हैं जहां एम्बुलेंस दुर्घटना का शिकार हो गई, जिससे मरीज की मृत्यु हो गई या हालत और बिगड़ गई। इन घटनाओं की प्रमुख वजह हमेशा नियमों का पालन न करना रही है। चालक अधिक गति से वाहन चलाते हैं, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करते हैं, और अक्सर वाहन खराब स्थिति में होते हैं। यह केवल चालक की लापरवाही नहीं, बल्कि व्यवस्थापकों और नियामक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे सुनिश्चित करें कि एम्बुलेंस सेवाएं सुरक्षित और प्रभावी हों। कई बार निजी एम्बुलेंस संचालक लाभ कमाने के लिए मरीज की सुरक्षा को नजरअंदाज कर देते हैं। रात में खराब सड़क पर, बिना किसी सुरक्षा उपकरण या प्रशिक्षित स्टाफ के मरीज को अस्पताल पहुंचाने का जोखिम किसी भी समय घातक साबित हो सकता है। कभी-कभी यह देखा गया है कि एम्बुलेंस चालक सिर्फ तेजी में दौड़ते हैं और जीवन रक्षक उपकरणों की जांच तक नहीं करते। ऐसे हालात में मरीज को अस्पताल तक पहुंचाने का प्रयास जीवन संकट में बदल जाता है। इसके अलावा, प्रशासनिक स्तर पर भी नियमों का पालन सुनिश्चित करने में कई खामियां हैं। कई शहरों में एम्बुलेंस सेवाओं के लाइसेंस और निरीक्षण की प्रक्रिया इतनी ढीली होती है कि संचालन में लापरवाही को रोकना मुश्किल हो जाता है। यह एक गंभीर प्रश्न है कि क्या हमारे पास ऐसे तंत्र हैं जो नियमित निरीक्षण कर सकें और नियमों के उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई कर सकें। जब हम स्वास्थ्य क्षेत्र में एम्बुलेंस सेवाओं की स्थिति पर ध्यान देते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि केवल वाहन और चालक की बात ही नहीं, बल्कि प्रशिक्षण, चिकित्सा उपकरण, और मरीज के साथ व्यवहार की गुणवत्ता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। एम्बुलेंस चालक न केवल वाहन चलाने के प्रशिक्षित होने चाहिए, बल्कि आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा देने में सक्षम भी होने चाहिए। किसी मरीज के जीवन और मौत के बीच की क्षणभंगुर स्थिति में यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होता है।दुर्भाग्यवश, हमारे देश में प्रशिक्षण और योग्यता की अनदेखी की जाती है। कई बार चालक केवल ड्राइविंग लाइसेंस के आधार पर ही काम कर रहे होते हैं, जबकि उन्हें कार्डियो पल्समीरी रेस्क्यू, प्राथमिक चिकित्सा और अन्य आपातकालीन प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित होना चाहिए। इस कमी के कारण, कभी-कभी मरीज अस्पताल पहुंचने तक ही नहीं टिक पाते। सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी भी एम्बुलेंस सेवा का जोखिम में डालती है। तेज रफ्तार, लाल बत्ती की अवहेलना, ओवरटेकिंग और अनुचित ड्राइविंग ऐसी घटनाओं में योगदान देती हैं। एम्बुलेंस केवल मरीज को जल्दी पहुंचाने का साधन नहीं है, यह एक जिम्मेदारी भी है कि अन्य यात्रियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाए।यहां तक कि तकनीकी पहलुओं में भी खामियां देखी जा सकती हैं। कई एम्बुलेंस में जीवन रक्षक उपकरण या तो खराब हालत में होते हैं या उन्हें नियमित रूप से जांचा नहीं जाता। कभी-कभी ऑक्सीजन सिलेंडर, हार्ट मॉनिटर, और अन्य आवश्यक उपकरण सही ढंग से काम नहीं कर रहे होते, जिससे मरीज की स्थिति बिगड़ सकती है।

राष्ट्र सेवा, मानव सेवा, अहिंसा और समाजवाद के परिपूर्ण कर्ता रहे महाराज अग्रसेन

आज से लगभग 5150 वर्ष पूर्व उनका जन्म आश्विन शुक्ल प्रथम के दिन हुआ था। उनके पिता सूर्यवंशी क्षत्रिय और राजा धनपाल की छठी पीढ़ी में थे। अग्रसेन की माता का नाम माधवी था, जो नागवंशी परिवार से आई थी। कहा जाता है कि उसके नागवंशी परिवार से सूर्यवंशियों में आई माधवी के कारण दोनों संस्कृतियों के बीच गहन संपर्क संबंध बने। अग्रसेन बाल्य काल से ही कुशाग्र तीक्ष्ण बुद्धि तथा दयालु स्वभाव के थे। उनकी शिक्षा दीक्षा तांडव ऋषि के आश्रम में हुई थी और उनकी लोकप्रियता जन सहयोग के भावना एवं व्यवहार के चलते ही प्रजा के बीच बनी थी।

सांवरमल अग्रवाल

शांति दूत, समतामूलक समाज के संस्थापक, अहिंसा के पुजारी महाराज अग्रसेन का जन्म प्रताप नगर के राजा वल्लभ के यहां हुआ था। वे अपने परिवार के छठे पुत्र थे। यह काल महालक्ष्मी व्रत का एवं किंवदंतियों के अनुसार द्वापर का अंतिम चरण रहा था। आज से लगभग 5150 वर्ष पूर्व उनका जन्म आश्विन शुक्ल प्रथम के दिन हुआ था। उनके पिता सूर्यवंशी क्षत्रिय और राजा धनपाल की छठी पीढ़ी में थे। अग्रसेन की माता का नाम माधवी था, जो नागवंशी परिवार से आई थी। कहा जाता है कि उसके नागवंशी परिवार से सूर्यवंशियों में आई माधवी के कारण दोनों संस्कृतियों के बीच गहन संपर्क संबंध बने। अग्रसेन बाल्य काल से ही कुशाग्र तीक्ष्ण बुद्धि तथा दयालु स्वभाव के थे। उनकी शिक्षा दीक्षा तांडव ऋषि के आश्रम में हुई थी और उनकी लोकप्रियता जन सहयोग के भावना एवं व्यवहार के चलते ही प्रजा के बीच बनी थी। प्रजा के हृदय में उनके प्रति काफी प्यार व सम्मान था। उनका विवाह नागवंशी कन्या से होने के कारण दो संस्कृतियों सूर्यवंश और नाग वंश का मिलन हुआ था। इन दो संस्कृतियों के मिलन से देवराज इंद्र अग्रसेन से बहुत नाराज हुए थे और इस नाराजगी का बदला लेने के लिए देवराज इंद्र ने अग्रसेन के राज में वर्षा नहीं होने दी, परिणाम स्वरूप प्रताप नगर में भारी अकाल पड़ा। अग्रसेन ने इस विपदा का सामना किया, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो पाए। तब जाकर अग्रसेन ने अपनी कुलदेवी महालक्ष्मी की आराधना तप तपस्या पूजा पाठ कर महालक्ष्मी से वरदान पाया कि इंद्र उनके राज्य को कोई निशान नहीं पहुंचा सकेंगे। महालक्ष्मी ने कहा कि कोलपुर के राजा महिषर की कन्या सुंदरवती से विवाह करो, इससे तुम्हारे राज्य में सुख शांति व समृद्धि आएगी।

कुलदेवी के द्वारा प्राप्त संदेश को आत्मसात कर महाराजा अग्रसेन कोलपुर पहुंचे, उस समय वहां पर सुंदरवती के विवाह के स्वयंवर की तैयारी चल रही थी। वह उस स्वयंवर में शामिल हुए। इस स्वयंवर में इंद्रदेव के अलावे अन्य राजा भी आए थे अग्रसेन के गले में माला डालकर सुंदरवार ने उन्हें वर्णन कर लिया इस पर इंद्रदेव नाराज होकर वहां से चले गए अग्रसेन ने सुंदरवती से विवाह किया और अपने राज्य लौट आए। इसके बाद अग्रसेन के राज्य की शक्ति में वृद्धि होने लगी। इंद्रदेव ने अग्रसेन से बदला लेने की इच्छा को त्याग कर उनसे दोस्ती करने का निर्णय लिया देवराज नारद जी इंद्र के प्रस्ताव को लेकर अग्रसेन के पास पहुंचे नारद जी द्वारा देवराज के द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए इंद्र को गले लगा लिया इंद्र राज इससे खुश होकर महाराज अग्रसेन के दरबार की शुभाबढ़ाने के लिए मधुशालिनी नामक अस्त्रा की भेंट की। महाराज अग्रसेन ने मां लक्ष्मी के कवच को पहन कर पूरे राज्य का भ्रमण किया और

अपने राज्य पहुंचकर राज्य की स्थापना की नगर का नाम अग्रोहा रखा गया। महाराजा अग्रसेन जन उपयोगी कार्यों, विकास कार्यों से प्रभावित होकर उनके राज्य के आसपास के राज्यों में से लोग वहां जाकर बसने लगे। देखते ही देखते अग्रोहा समृद्धि साली नगर बन गया। महाराज अग्रसेन ने अपने राज्य में समतामूलक समाजवाद का अनुत् शशासन प्रारंभ किया। इस प्रयास से उनके राज्य में गरीब- अमीर, उंच- नीच के बीच

सकेंगे। महाराजा अग्रसेन की इस व्यवस्था से बढ़ रही समृद्धि से राज्य के आसपास के लोगों के द्वारा आए दिन हो रहे आक्रमणों के चलते शांति क्षिन हुई शासन व्यवस्था चरमरा ने लगी इसी दौरान इशा से पूर्व चौथी शताब्दी में विश्व विजेता सिकंदर ने पहली बार अग्रोहा पर आक्रमण कर कर दिया एक योजनाबद्ध तरीके से संपूर्ण अग्रोहा को आक्रमणकारियों द्वारा आग लगाकर नगर को में आक्रमण कार्यों द्वारा आग के हवाले कर दिया गया। भीषण आग बाद में अग्रोहावासी देश के विभिन्न क्षेत्रों में फैल गए। अग्रोहा से निकले लोग भारत ही नहीं विश्व के अन्य देशों में जाकर बस गए। वे आज भी अग्रवाल कहलाते हैं। भारत में अग्रसेन के 18 जनपदों के ऋषियों के नाम पर गठित गोत्रों के अधीन रहकर अग्रसेन की कृति फैला रहे हैं। महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों के अनुसार आज भी अग्रवालों ने जन सेवा, देश सेवा, मानव सेवा, सभ्यता- संस्कृति के उत्थान संस्कारों को संरक्षण करने में अन्य समुदाय से आगे हैं। महाभारत में अग्र गणराज्य का उल्लेख उस समय के अन्य गण राज्यों के साथ मिलता है। वैश्यम्यायन जी राजा जनमेजय को वन पर्व षोष यात्रा करख वर्णन सुनाते हुए कहते हैं भद्रान

रोहितकाश्रचवै आग्नेयन मालवानपि गणन सर्वा विनिर्जित्य नीतिकृत् प्रहसन्निव (आ प्र 254/20)। इसमें भद्र रोहितक अग्र और मानव जनपदों के नाम आए हैं पाणिनका का काल में ईसा पूर्व 500 है उनकी अष्टाध्याई से तात्कालिक समाज एवं राजनीतिक संगठनों का सम्यक ज्ञान होता है।डॉक्टर वासुदेव शरण अग्रवाल ने अपने ग्रंथ पाणिनि कालीन भारतवर्ष में इस विषय की चर्चा की गई है जिसमें 6 वन के नाम का पढ़े गए पुरगावण, मिश्रकावण, सिधकावण, सारिकावण और अग्नेवण वर्तमान अग्रोहा थी। ये स्थित वन का नाम था, जिनका वर्णन डॉक्टर पीसी बागची रचित ज्योत्साफिकल केंटरल आफ दि यलयाज द महामायुरी साईनो इंडिया स्टडीज खण्ड - 3पृष्ठ (42) पर भी मिलती है। महाभारत में अग्र जनपद का वर्णन और 18 की संख्या का सम्यक क्या हमें द्वापर तक नहीं ले जाता? महाभारत काल में निश्चय की ही अग्रजनप और वहां निवास करने वालों की अपनी पहचान बन गई थी। सन 1720 में प्रकाशित मेडार टाड, अकनउंट आफ ग्रीन पेरियन एण्ड हिन्दू मेडल्ल्स ट्रांजैक्शन आफ द रॉयल एशियाटिक सोसायटी में किट्स कार्टिअस द्वारा वर्णित अग्नेसेन को ही वर्तमान अग्रोहा बताया है। इसके

जीएसटी 2.0 नई कर नीति और अर्थव्यवस्था को नई धार



भारत की कर प्रणाली की यात्रा हमेशा सरलीकरण और दक्षता, विकास और समानता के बीच संतुलन खोजने की रही है। एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का विचार सबसे पहले 1985 में वित्त मंत्री वी. पी. सिंह द्वारा रखा गया था। अगले ही वर्ष संशोधित मूल्य वर्धित कर शुरू किया गया, लेकिन यह अधूरा प्रयोग ही साबित हुआ। 1991 के भुगतान संकट ने इस बहस को फिर जगा दिया, जब भारत के आईएमएफ और विश्व बैंक के साथ हर समझौते में व्यापक वैट की ओर धकेला। फिर भी प्रति धीमी रही। अंततः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2017 में %वन नेशन, वन टैक्स’ की दृष्टि के साथ जीएसटी सचमुच लागू हुआ, जिसने भारत की अप्रत्यक्ष कर संरचना को एकीकृत किया और खंडित बाजार को जोड़ा। यह पहला बड़ा कदम था। आठ साल बाद, जीएसटी 2.0 अगला कदम है।दरों से छेड़छाड़ नहीं, बल्कि संरचनात्मक पुनर्गठन, जिसका उद्देश्य है घरेलू चिंताओं को कम करना, छोटे व्यवसायों को सहारा देना और एक युवा, उपभोग-प्रधान अर्थव्यवस्था की आकांक्षाओं के अनुरूप होना।

जीएसटी 2.0 का सबसे उल्लेखनीय पहलू इसका जन-केंद्रित दृष्टिकोण है। भोजन, स्वास्थ्य और शिक्षा पर बढ़ते खर्चों से जूझ रहे परिवारों के लिए मखन, नमकीन, शिशु उत्पादों और टॉयलेट्रीज जैसे आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी को

घटाने सिर्फ 5 प्रतिशत करना केवल एक लेखा निर्णय नहीं है। यह परिवारों पर पड़ रहे दैनिक दबावों की स्वीकृति है और वित्तीय सहानुभूति का संकेत है। इससे भी अधिक ऐतिहासिक कदम है स्वास्थ्य और जीवन बीमा को शून्य-रेटिंग देना। वर्षों तक वित्तीय सुरक्षा को टाला जाता रहा जब तक कोई संकट न आ जाए अब, लाखों परिवारों को बिना अतिरिक्त कर के खुद को सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ ही, जीवन-रक्षक दवाइयों और मेडिकल उपकरणों-जैसे उन्नत कैसर उपचार और डायग्नोस्टिक रिजल्ट्स को कर-मुक्त कर दिया गया है। संदेश स्पष्ट है- जनस्वास्थ्य कोई परिधीय चिंता नहीं बल्कि राजकीय नीति की मूल प्राथमिकता है। ज्यादातर मामलों में, जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर सिर्फ 5फीसदी कर दिया गया है, जिससे आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं कहीं अधिक सुलभ होंगी।

यह भावना भारत के गांवों और दिल की धड़कनों तक भी पहुंचती है। टैक्टर, हार्वेस्टर, सिंचाई उपकरण और उर्वरकों पर जीएसटी घटाकर 5फीसदी करना किसानों की लागत को सीधे तौर पर कम करता है। बघेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां खेती केवल रोजगार नहीं बल्कि अनिश्चित बरसातों के खिलाफ एक दांव होती है, यह सुधार सच्चा राहत देता

है। और अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह परिवर्तन का दरवाजा खोलता है। सस्ते इनपुट्स, बेहतर ऋा और सिंचाई के साथ, आजीविका आधारित खेती धीरे-धीरे अधिशेष-आधारित, बाज़ार-उन्मुख कृषि में बदल सकती



है। यह सुधार उस उपभोग प्रोत्साहन को भी प्रदान करता है जिसकी अर्थव्यवस्था को इस समय जरूरत है। दोपहिया वाहन, सीमेंट, टीवी और एयर कंडीशनर जैसी वस्तुओं पर शीर्ष जीएसटी स्लैब को 28व से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है-जो अब विलासिता नहीं, बल्कि आकांक्षालक आवश्यकताएं बन चुकी हैं। इस कदम से ठप पड़े आवासीय प्रोजेक्ट्स को फिर गति मिलेगी, ऑटोमोबाइल बिक्री में वृद्धि होगी और विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ेंगे। साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों पर जीएसटी में

कटौती एक सूक्ष्म लेकिन शक्तिशाली कदम है, जो सुनिश्चित करता है कि विकास सत्ता से जुड़े और भारत की हरित महत्वाकांक्षाएं मजबूत हों।

जीएसटी 2.0 का सबसे समथानुकूल पहलू यह है कि यह वैश्विक चुनौतियों से रक्षा कवच का काम करेगा। जैसे ही अमेरिका भारतीय निर्यातों पर शुल्क बढ़ाता है, बाहरी मांग में अस्थिरता आती है। लेकिन इस सुधार की वजह से भारत इस झटके को झेलने की बेहतर स्थिति में है। कम करों से घरेलू उपभोग को बल मिलेगा, जो पहले से ही जीडीपी का लगभग 61 फीसदी है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इनपुट लागत दबाव और प्रक्रियागत बाधाओं से मुक्त होकर घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रह सकते हैं, भले ही विदेशी बाजार कठिन हों। और अनुमानित 0.5-1 फीसदी वार्षिक जीडीपी वृद्धि वैश्विक व्यवधानों से होने

वाले नुकसान की भरपाई करेगा। निवेशक-घरेलू और वैश्विक दोनों इसे इस संकेत के रूप में देखेंगे कि भारत आंतरिक बाज़ार को मजबूत करते हुए सुधार जारी रख रहा है।

इसके प्रभाव व्यापक हैं। अर्थशास्त्री अनुमान लगाते हैं कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की लगभग 8.5 फीसदी टोकरि पर जीएसटी 2.0 का सीधा असर है, जिससे इसे स्पष्ट रूप से मुद्रास्फीति-रोधी चरित्र मिलता है। परिवारों के हाथ में अधिक खर्च योग्य आय आने से उच्च उपभोग, बढ़ा हुआ उत्पादन और नए रोज़गार का शुभ चक्र शुरू होगा। बीमा

पैट, जो भारत में ऐतिहासिक रूप से कम रही है, अब प्रीमियम किफायती होने से बढ़ेगी। निर्यातकों को रिफंड संबंधी बाधाओं से मुक्त कर प्रतिस्पर्धात्मकता वापस मिलेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात, एक सुव्यवस्थित दो-दर संरचना-5 प्रतिशत और 18फीसदी (हानिकारक या विलासिता वस्तुओं के लिए दंडात्मक दर) भारत की कर प्रणाली को अधिक तार्किक, अनुमानित और वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय बनाएगी।

अंततः जीएसटी 2.0 को परिभाषित करता है उसका आर्थिक तर्क और सामाजिक संवेदनशीलता का मेल। यह घरेलू दबावों को पहचानता है, किसानों को सशक्त करता है, उद्यमियों पर विश्वास जताता है और अत्योद्यम की भावना के अनुरूप यह सुनिश्चित करता है कि अंतिम पॉक्ति का लाभार्थी पीछे न छूटे। यहां कर केवल संघर्ष का उपकरण नहीं बल्कि न्याय का साधन है। यह राज्य और नागरिकों के रिश्ते को मानवीय बनाता है, उसे कर-संग्राहक से सहायक, राज्यस्व एकत्र से विकास-सहयोगी में बदल देता है। 2017 के जीएसटी से लेकर 2025 के जीएसटी 2.0 तक की यात्रा हमारे राजकीय लोकतंत्र की परिपक्वता दर्शाती है। पहला सुधार खंडित व्यवस्था को एकीकृत करता था। दूसरा उसे मानवीय बनाता है। यदि इसे ईमानदारी से लागू किया गया और व्यवसायों ने लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाए तो जीएसटी 2.0 ऐसा सुधार कहलाएगा जो लापगा जो मुद्रास्फीति कम करता है, औपचारिकता बढ़ाता है, परिवारों को सशक्त करता है, निवेश आकर्षित करता है और वैश्विक उथल-पुथल से अर्थव्यवस्था को बचाता है।

(लेखक -गणेश सिंह सतना लोकसभा संसदीय क्षेत्र के 5 बार के सांसद है।)

कोंडागांव नारायणपुर-ओरछा के बीच बंद यात्री बस को चालू करने कांग्रेस ने नगर बंद कर चक्काजाम किया

स्वेच्छा से व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान कर चक्काजाम का समर्थन किया, शासन प्रशासन भारी वाहन रोक कर तत्काल यात्री बस शुरू करने प्राथमिकता दे- कांग्रेस



नारायणपुर। 130 डी नारायणपुर से कोंडागांव को जोड़ने वाला नेशनल हाइवे 130 डी इस समय निर्माणधीन है, साथ ही नारायणपुर-बारसूर-ओरछा, नारायणपुर-अंतागढ़, नारायणपुर-फरसगांव-कांकेर मार्ग जो अन्य जिले को जोड़ने वाली सभी सड़कें अत्यधिक जर्जर और गड़बड़े में तब्दील हो चुकी है, जिसमें अभी वर्तमान में नेशनल हाइवे 130 डी निर्माणधीन है, और इस सड़क निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा घोर लापरवाही एवं मनमानी बरती जा रही है। ठेकेदार ने एक ओर से सड़क निर्माण कार्य को अधूरा छोड़ते हुए पूरी

सड़क को खोद दिया है तथा उस पर केवल मिट्टी डाल दी है, जिससे सड़क की स्थिति अत्यंत ही जर्जर एवं कीचड़युक्त हो गई है। यह मार्ग अब दलदली और असुरक्षित हो गया है, जिससे आम जनता को गंभीर असुविधा एवं दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 15 दिनों से इस मार्ग पर यात्री बसों का संचालन पूर्ण रूप से बंद है, जिससे जिले के ग्रामीण इलाकों के लोग यातायात के अभाव में फंसे हुए हैं। मरीजों, छात्रों, कर्मचारियों व्यापारी बाजार हाट व्यापारी और आम नागरिकों की

आवाजाही बाधित हो गई है। नारायणपुर कोंडागांव के बीच बंद बस को चालू करवाने और बस का संचालन सुचारु रूप से हो सके तब तक भारी वाहन को रोकने के लिए गढ़बेंगाल चौक मे जिला कांग्रेस कमेटी ब्लॉक शहर कांग्रेस कमेटी शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में चक्काजाम आंदोलन किया गया इस कार्यक्रम को सफल बनाने कांग्रेस कमेटी ने नगर मे घूम घूम कर व्यापारियों से समर्थन मांगा था जिसमें व्यापारियों ने नगर बंद के कर समर्थन दिया, इस कार्यक्रम मे जिसमें

जिले के समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ ही देवगांव के ग्रामीण जन, गढ़बेंगाल के ग्रामीण जन उपस्थित हुए बड़ चढ़ के हिस्सा लिए। चक्का जाम में पूर्व विधायक चन्दन कश्यप, प्रदेश सरकार के ऊपर वादाखिलाफी का आरोप लगाया और कहा की विधानसभा चुनाव के दौरान मंत्री केदार कश्यप ने प्रचार करते हुए 1 माह मे रोड बनाने का वादा किये थे लेकिन दो साल में सड़क तो नहीं बना किन्तु पूर्व मंत्री ने पुपने सड़क को भी चलने योग्य नहीं छोड़ा, वक्ताओं ने कहा की शासन-प्रशासन तत्काल

सड़क में चलने योग्य बनवाए और यात्री बस को जल्द से जल्द शुरू करवाए अन्यथा आगे इससे भी बड़ा आंदोलन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक चन्दन कश्यप, प्रदेश कांग्रेस महासचिव रजनु नेताम, जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिसेल नाग, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रवि देवांगन देवांगन, प्रदेश कांग्रेस सचिव देवनाथ उसेंडी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रघु मानिकपुरी, जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष श्यामबन्ती नेताम, पंडी राम वड्डे, प्रदेश महिला कांग्रेस महासचिव वेदवती पात्रा, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रशीला

कश्यप, कांग्रेस पदाधिकारी शेष तौहीद अहमद, संजय राय, संतोष राव, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष बोधन देवांगन, एन एस यू आई प्रदेश सचिव विजय सलाम, एनएसयूआई अध्यक्ष विजय सलाम, शब्बीर बड़गुजर, देवगांव सरपंच जयराम मंडावी करलखा सरपंच अधारी सलाम, पूर्व सरपंच गढ़ बेंगाल जागोनतिन मंडावी, बिंजली मंडल अध्यक्ष रामसाए दुग्गा, एडका मंडल अध्यक्ष सुगाड उसेंडी, वरिष्ठ कांग्रेसी वीपी शुक्ला, सैयद अनवर अली, एवं सैकड़ों की संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित हुए।



जगदलपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में बाढ़ आपदा से बचाव की आवश्यक तैयारियों का जायजा लेने के लिए इंद्रावती नदी के महादेव घाट में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। नगर सेना विभाग द्वारा जिले एवं संभागीय स्तर पर उपलब्ध समस्त बाढ़ बचाव सामग्रियों का मॉकड्रिल किया गया। मॉकड्रिल में अतिवृष्टि के दौरान इन्द्रावती नदी में ग्रामीणजन लकड़ी या छोटे-छोटे नाव के माध्यम से नदी पार करते समय नाव पलटी हो जाने एवं गांव में पानी भर जाने की स्थिति में किस प्रकार से जिले में उपलब्ध मोटर बोट, स्क्वबा ड्रायविंग, अण्डरवाटर कैमरा, लाईफ जैकेट, लाईफ ब्याय आस्का लाईट, पेलिकेन लाईट, सचं लाईट विभिन्न प्रकार के चैन-सा का प्रयोग कर बाढ़-बचाव कार्य का लाइव डेमो (मॉकड्रिल) का आयोजन किया गया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों को

घरों में उपलब्ध होने वाले सामग्रियों जैसे टीपा, भगोना, ड्रम, मटका, ट्यूब इत्यादि सामग्रियों का राप्ट बनाना एवं पीने वाले एक लीटर वाटर बाटल को पैयर टाईट कर लाईफ जैकेट बनाकर डूबते हुये व्यक्ति को बचाया जा सकता है का डेमो एसडीआरएफ के जवान और जिले के बाढ़ बचाव दल के जवानों द्वारा किया गया। पहले ड्रिल में नाव डूबने से बचाव की कार्यवाही, दूसरे ड्रिल में नाव के माध्यम से ग्रामीणों को बचाने की कार्यवाही, तृतीय ड्रिल में डीप ड्रायविंग रेस्क्यू पार्टी, अंडर वाटर अलेंडर की कार्यवाही की गई।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, अपर कलेक्टर ऋषिकेश तिवारी, डिप्टी कलेक्टर सत्येन्द्र बंजारे सहित पुलिस, स्वास्थ्य विभागों के साथ ही राज्य आपदा मोचन बल और नगर सेना के दल एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

भाजपाइयों द्वारा कोड़ेंनार में पं. दीनदयाल उपाध्याय की मनाई गई जयंती



किरंदुल। भाजपा प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़ा सप्ताह 02 अक्टूबर के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मजयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित उपाध्याय की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इस

अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सोढी ने कहा कि दीनदयाल जी ने पूंजीवाद व साम्यवाद को भारत के लिए अनुपयुक्त बताते हुए एकात्म मानववाद का दर्शन दिया, जिसमें व्यक्ति, समाज, प्रकृति और परमात्मा के बीच संतुलन पर बल है। उन्हें त्रिपाठी ने

युवाओं को सनातन धर्म और दीनदयाल की विचारधारा से जोड़ना समय की आवश्यकता बताया। इस अवसर पर किरंदुल नगरपालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह, धर्मपाल मिश्रा, विक्रम नाहक, मोहित धवन एवं अन्य भाजपाई उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का किया जा रहा आयोजन

कोंडागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय कोंडागांव में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत 24 सितंबर से तीन दिवसीय प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 19 से 45 वर्ष की गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जाँच, एनीमिया मलेरिया एनसीडी जांच, परिवार नियोजन काउंसलिंग की सेवाएं जिला अस्पताल कोंडागांव मे दी जा रही है। अभियान के तहत 25 सितम्बर 2025 तक कुल 130 महिलाओं की एएनसी जांच कराई जा चुकी है। साथ ही कुल 30 हाई रिस्क महिलाओं का परीक्षण, कुल 50 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी एवं सभी पंजीकृत महिलाओं की काउंसलिंग अभियान के तहत की जा रही है। राज्य स्तर से डॉ. के के सहारे एवं डॉ. चयनिका नाग के द्वारा उक्त अभियान का निरीक्षण किया गया। उक्त अभियान में जिला चिकित्सालय की टीम-डॉ रीता गेदाम, डॉ ममता ठाकुर, डॉ शिरुा कश्यप (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ रीचा चौधरी (रैडियोलॉजिस्ट) प्रीति रामटेके काउंसिल का विशेष योगदान रहा। अभियान का सफल संचालन डॉ. प्रेमलाल मंडावी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय कोंडागांव, डॉ. प्रतीक चौधरी एवं डॉ. भावना महलवार डीपीएम के द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से सफलतापूर्वक किया गया।

हाई स्कूल मगेदा में माकड़ी पुलिस द्वारा लगाया सायबर जागरूकता अभियान



कोंडागांव। छात्र/छात्राओं एवं शिक्षकों को साइबर अपराध के साथ साथ महिला अपराध, यातायात के नियम, नवीन आपराधिक कानून व नशा मुक्ति के संबंध में दी गई विस्तृत जानकारी। पुलिस अधीक्षक जिला कोंण्डगांव वाई. अक्षय कुमार के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोंण्डगांव कौशलेंद्र देव पटेल एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोंण्डगांव रूपेश कुमार के मार्गदर्शन में थाना माकड़ी पुलिस द्वारा नवीन आपराधिक कानून, महिला अपराध, यातायात नियम, नशा मुक्ति एवं विशेष तौर पर साइबर अपराध के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए थाना माकड़ी क्षेत्र में लगातार

जागरूकता अभियान चला रही है। इसी परिपेक्ष में 25 सितंबर को हाई स्कूल मगेदा में निरीक्षक विकास बवेल थाना प्रभारी माकड़ी द्वारा स्कूल में उपस्थित सभी छात्र/छात्राओं, शिक्षकों को बढ़ते सायबर अपराध के बारे में अवगत कराकर सायबर फॉड से खुद को बचाने के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया, साथ ही महिला एवं बच्चों से संबंधित अपराध, गुड टच, बैड टच के बारे में बताया गया व यातायात नियमों का पालन करने, भारत सरकार द्वारा लागू किये गये तीन नये आपराधिक कानूनों के संबंध में एवं नशामुक्ति के तहत नशीली दवाओं के खतरों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देकर जागरूक किया गया है।

किरन्दुल के सामाजिक संगठनों को पार्षदों द्वारा प्रदान किया गया साउंड सिस्टम



किरंदुल। किरंदुल नगरपालिका परिषद के पार्षदों द्वारा 3 सामाजिक संगठनों को साउंड सिस्टम प्रदान किया गया। बता दें इन संगठनों के माध्यम से समय समय में जनजागरूकता कार्यक्रम के साथ ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, उक्त संगठनों

के पदाधिकारियों ने नगरपालिका पार्षदों से साउंड सिस्टम की मांग की थी। जिनके मांग को पूर्ण करते हुए वार्ड क्रमांक 02 के पार्षद गिरिजा विश्वकर्मा द्वारा रामपुर कैम्प, वार्ड क्रमांक 03 के पार्षद देवकी ठाकुर द्वारा गजराज कैम्प एवं वार्ड क्रमांक 06 के पार्षद गोपीनाथ

हरिजन द्वारा मल्लपा कैम्प में बुधवार सभी संगठनों को साउंड सिस्टम प्रदान किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह उपाध्यक्ष बबलू सिद्धीकी मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशि भूषण महापात्र तथा पार्षद गण उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्रों के कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान



कोंण्डगांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय में फरसगांव विकासखण्ड के आंगनबाड़ी केंद्र जुगानी कलार और लंजोड़ा मिचीपारा के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर दोनों नाम पंचायतों के सरपंचों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा

कि जिले के अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों के कर्मचारी भी इनसे प्रेरणा लेकर अपने-अपने केंद्रों को सुव्यवस्थित और स्वच्छ बनाने का प्रयास करें। उल्लेखनीय है कि इन दोनों आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप सुसज्जित किया गया है। स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के साथ ही केंद्रों में किचन गार्डन भी विकसित किया गया है।

स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत संबलपुर में हुई साफ-सफाई



भानुप्रतापपुर। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को ग्राम पंचायत संबलपुर के शासकीय भवनों एवं बाजार स्थल की साफ-सफाई कर श्रम दान किया गया, साथ ही स्वच्छता ग्राही दीदीयों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। श्रम विभाग द्वारा स्वच्छता ग्राही एवं स्व सहायता समूह के सदस्यों का श्रम कार्ड जारी करने समाधान दिया

गया। सरपंच अनिता रावटे ने बताया कि यह कार्यक्रम शासन के प्राथमिकता क्रम में है इसलिए सभी ग्राम वासियों द्वारा समय-समय पर साप्ताहिक स्वच्छता करने का निर्णय भी लिया गया है साथ ही सभी को स्वच्छता की शायथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम में जनपद सदस्य गिरजा देवी, भाजपा मंडल अध्यक्ष डिगेश खापटे, मुख्य कार्यपालन

अधिकारी जीएल चुरेंद्र, कार्यक्रम अधिकारी सुमन कौर, राधेश्याम भास्कर, तकनीकी सहायक विंदु यादव, स्वच्छता समन्वयक चौंदनी उड्के, सचिव बरन सिंह आँचला, पंचायत के पंचांगण, ग्राम वासी, स्वच्छता समूह के सदस्य, स्वच्छता ग्राही दीदी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आदि उपस्थित रहे।

रासेयो स्थापना दिवस के अवसर पर स्वयंसेवकों से अपील निरक्षरों को साक्षर कर साक्षर गांव बनाने में दें अपना योगदान

भानुप्रतापपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेलेगांव में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। सर्वप्रथम युवाओं के प्रेरणा स्वामी विवेकानंद एवं ज्ञान दहिनी मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन कर कार्य क्रम की शुरुआत की गई। व्याख्याता प्रमिला कोरेटी, पीयूषा बंजारे, गायत्री भूआर्य, लीनादेवी दुग्गा एवं किरण नेताम के द्वारा लक्ष्य गीत, उठें समाज के लिए उठें एवं राष्ट्रीय युवा गीत, आओ जिंदगी को उन्नति दें शांति दें की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। प्राचार्य मोहनलाल निषाद द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त स्वयंसेवकों को समाज की सेवा कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सहभागिता निभानी है। कार्यक्रम अधिकारी खेमलाल कटेंद्र



ने कहा कि सेलेगांव में 71 निरक्षर लोग हैं जिन्हें साक्षर करने में अपना योगदान दें, दस निरक्षर को साक्षर करने पर बारहवां बोर्ड में दस नंबर बोस का प्रावधान है। व्याख्याता बरसन साहू द्वारा एक प्रेरक भजन

की प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर व्याख्याता महेश कुमार साहू, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी पुंकेश्वर साहू, द्वारिका निषाद, रूखमणी सिन्हा, मधु वर्मा, विजेंद्र बंजारे, रासेयो कमांडर साहिल पटेल, गल्स

कमांडर काजल जैन, ब्लॉयज कमांडर युवराज यादव, खुशी भूआर्य, प्रियंका, इशेश्वरी, थलेश्वरी, टेसू कुमार, दोमयांशु टेगौरिया एवम् समस्त स्वयंसेवक उपस्थित थे।

जिले के 202 स्वास्थ्य केंद्रों में चल रहा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान

कोंण्डगांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर. के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिले के 202 स्वास्थ्य केंद्रों में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 17 सितम्बर से शुरू हुआ है, जिसका उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और जागरूकता को बढ़ावा देना है ताकि महिलाएं स्वयं सशक्त बनकर परिवार और समाज को सशक्त बनाने में योगदान दे सकें। अभियान के तहत आज जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाओं की विशेष देखभाल का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत उच्च जोखिम वाली गर्भवती माताओं की जांच की जा रही है। जिला अस्पताल कोंडागांव में स्त्री रोग



विशेषज्ञ डॉ. रीता गोदाम और डॉ. ममता ठाकुर के नेतृत्व में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस पर गर्भवती माताओं का सोनोग्राफी सहित अन्य जांच की गई। इसी तरह, विश्रामपुरी के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराग भारती ने मरीजों से सीधे संवाद कर महिलाओं को स्वास्थ्य सुधार, पोषण, आहार, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण

के बारे में जानकारी दी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बडेकनेरा में डॉ. शशि शेखर ने उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की जांच की। वहीं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी में डॉ. रिंकू मरकाम और ल्डा. कृष्ण कुमार पटेल ने उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की काउंसलिंग करते हुए प्रसव पूर्व और प्रसव उपरांत देखभाल की जानकारी दी।

सीआरपीएफ 188 बटालियन ने कोंडागांव नगर में चलाया स्वच्छता अभियान

कोंण्डगांव। स्वच्छता ही सेवा और एक दिन, एक साथ, एक घंटा के तहत 188 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कोंडागांव के बंधा तालाब और उसके आसपास के इलाके में एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। यह अभियान भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के हिस्से के रूप में आयोजित किए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े का हिस्सा था, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक चलेगा। 188 बटालियन के कमांडेंट भवेश चौधरी के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान का नेतृत्व द्वितीय कमान अधिकारी नीतींद्र नाथ ने किया। सुबह 8 से 10 बजे तक जवानों ने बड़े पैमाने पर साफ-सफाई की। कमांडेंट ने कहा कि यह सरकार के मानकों को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है और हमें अपने दैनिक जीवन में भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय गोंड़वाना पार्टी को दी नोटिस

बिलासपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत राष्ट्रीय गोंड़वाना पार्टी को शो-कॉज नोटिस जारी किया है। पार्टी के अध्यक्ष के नाम जारी नोटिस में उन्हें 9 अक्टूबर 2025 को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय रायपुर में आवश्यक दस्तावेज के साथ सुनवाई के लिए बुलाया गया है। राष्ट्रीय गोंड़वाना पार्टी पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धाराओं का पालन नहीं किये जाने का आरोप लगा है। आयोग के दस्तावेजों के अनुसार पार्टी का पता- अध्यक्ष, राष्ट्रीय गोंड़वाना पार्टी, सरखेल हाऊस, तिफ़ा बिलासपुर के रूप में दर्ज है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत राशन कार्डों की सत्यापन प्रक्रिया जारी

बिलासपुर। राज्य शासन द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले में पात्रता आधारित राशन कार्डों की सघन जांच की जा रही है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खाद्यान्न सुरक्षा योजनाओं का लाभ केवल पात्र एवं वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को ही प्राप्त हो। जिले में प्राथमिक जांच के उपरांत ऐसे लगभग 7058 राशन कार्डधारी परिवारों की पहचान की गई है, जिनके स्वामित्व में 5 एकड़ से अधिक कृषि भूमि होने की संभावना है। इन परिवारों की पात्रता की पुष्टि के लिए भूमि स्वामित्व का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल द्वारा समस्त तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ पटवारियों के माध्यम से संबंधित ग्रामों में भूमि की वास्तविक स्थिति का सत्यापन कराएं एवं निर्धारित पत्र में प्रमाणित विवरण उपलब्ध कराएं। प्रक्रिया का उद्देश्य है कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त हो। अपात्र परिवारों की पहचान कर लाभ से बाहर किया जा सके। खाद्य वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाया जाए। शासन का यह स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी पात्र परिवार को योजनाओं से वंचित नहीं किया जाएगा, तथा समस्त कार्यवाही नियमों के अंतर्गत पारदर्शी एवं संवेदनशील रूप में की जाएगी। विभाग द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी राजस्व एवं खाद्य विभाग के अधिकारी परस्पर समन्वय स्थापित कर सत्यापन प्रक्रिया को समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण करें।

शिक्षा में सुधार की पहल-मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश पर मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत बिलासपुर जिले के चयनित विद्यालयों में जिला स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रत्येक नोडल अधिकारी आवंटित शाला के अधीन एक ही कैम्पस में संचालित सभी स्तरों के शालाओं का माह में कम से कम एक बार मासिक निरीक्षण करेंगे। कलेक्टर कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार तखतपुर, कोटा, बिल्हा और मस्तुरी ब्लॉक के कुल 228 विद्यालयों की जिम्मेदारी अधिकारियों को सौंपी गई है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी मीडियम स्कूल तखतपुर के नोडल अधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी मीडियम विद्यालय डीकेपी कोटा के नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये है। इसी प्रकार नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार को स्वामी आत्मानंद शेख गफ्फर शासकीय अंग्रेजी मीडियम स्कूल तारबहार, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल को स्वामी आत्मानंद लाल बहादुर शासकीय अंग्रेजी मीडियम विद्यालय के लिए नोडल अधिकारी, यातायात एडिशनल एसपी श्री रामगोपाल करियारे को शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सूरजमल बिल्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहरी श्री राजेन्द्र जायसवाल को स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी मीडियम विद्यालय चकरभाटा, अपर कलेक्टर श्री शिवकुमार बनर्जी को शासकीस हायर सेकेण्डरी मुरू के लिए नोडल अधिकारी होंगे। इन अधिकारियों को विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, अनुशासन बनाए रखने और शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ करने का कार्य सौंपा गया है। अधिकारियों को समय-समय पर विद्यालयों का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत 89 गावों में लगंगे शिविर

बिलासपुर। आदि कर्मयोगी अभियान के तहत जिले के विकासखण्ड कोटा के आदिवासी बाहुल्य 65 ग्रामों, बिल्हा के 11 ग्रामों एवं तखतपुर के 13 ग्रामों में निवासरत अनुसूचित जनजातियों के आधार कार्ड आयुष्मान कार्ड, जनधन खाता एवं किसान क्रेडिट कार्ड बनाये जाने हेतु चिन्हांकित क्लस्टर ग्रामों में 27 सितम्बर को शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में हितग्राही अपना आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जनधन खाता एवं किसान क्रेडिट कार्ड बनावा सकते हैं। विलेज एक्शन प्लान ग्रामों के मूलभूत सुविधाओं एवं सर्वांगिण विकास हेतु आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत आदिवासी सामुदायों की मांग एवं आवश्यकता के अनुरूप आदिवासी सुमुदाय के सदस्यों, ग्राम पंचायत के सचिव, प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा जिला अधिकारियों के मार्गदर्शन में विलेज एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सूरजपुर द्वारा राष्ट्रीय स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का हीरालाल साधुराम सेवा कुंज में किया गया आयोजन..

सूरजपुर/संवाददाता। सेवा पखवाड़ा के तारतम्य में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सूरजपुर द्वारा आज राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन हीरालाल साधुराम सेवा कुंज मे किया गया। आज के रक्तदान कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक श्री भुलन सिंह मरावी ने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्तदान मानव सेवा का सर्वोत्तम स्वरूप है। इससे असंख्य लोगों को जीवनदान प्राप्त होता है। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों की भागीदारी समाज की जागरूकता और संवेदनशीलता के दर्शाती है। उन्होंने उपस्थित रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नियमित रक्तदान की परंपरा स्थापित करना समय की आवश्यकता है। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि रेडक्रॉस

की मूल पहचान सेवा और सहयोग है। रक्तदान अभियान इस संगठन की जनहितकारी गतिविधियों की श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए, क्योंकि यह किसी भी पीड़ित के लिए जीवन का संबल बन सकता है। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने कहा कि रक्त की उपलब्धता स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। आपातकालीन परिस्थितियों में रक्तदान ही जीवन रक्षक की भूमिका निभाता है। उन्होंने रेडक्रॉस द्वारा आयोजित इस शिविर की सराहना करते हुए कहा कि जिला प्रशासन हर स्तर पर ऐसे जनकल्याणकारी प्रयासों को प्रोत्साहित करता रहेगा। रेडक्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष श्री ओमकार पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह अभियान न केवल मानवता के प्रति जिम्मेदारी का



प्रतीक है बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश देने का भी माध्यम है। रक्तदान से एक ओर जहां जरूरतमंदों को जीवन मिलता है, वहीं दूसरी ओर यह दाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी सिद्ध होता

सफलता की कहानी

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना:सोलर पैनल से बन रही बिजली से मिली राहत

■ कोनी निवासी श्रीमती

सुधा मिश्रा ने योजना को बताया किफ़यती

बिलासपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एक ऐसी योजना जो उपभोक्ताओं को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बना रही है और उन्हें महंगे बिजली बिल से राहत पहुंचा रही है। योजना के तहत कृष्णा विहार कोनी निवासी श्रीमती सुधा मिश्रा ने अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाया है, उन्होंने छह किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया हैं। जिससे उनकी बिजली बिल की लागत काफी कम हो गई है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। श्रीमती सुधा मिश्रा के पति श्री उपेन्द्र मिश्रा ने बताया कि उनका संयुक्त परिवार है जहां बिजली की खपत काफी अधिक है जिससे बिजली



बिल प्रतिमाह काफी अधिक आता था, जो आर्थिक बोझ की तरह था ऐसे में सूर्यघर योजना के विषय में जानकारी मिली और परिवार ने इसे अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने अपनी पति श्रीमती सुधा मिश्रा के नाम पर सोलर पैनल लगवाया। जिसकी

लागत 3 लाख 50 हजार थी। उन्होंने बताया कि केंद्र की सब्सिडी 78 हजार रूपए उन्हें मिल चुकी है और जल्द ही राज्य की सब्सिडी भी उनके खाते में आने वाली है। अब परिवार को प्रतिमाह बिल के रूप में काफी कम भुगतान करना होता

है। सोलर पैनल से हो रहे बिजली उत्पादन से अब उन्हें महंगे बिजली बिल से राहत मिल रही है और परिवार बिल की चिंता से मुक्त है। उन्होंने कहा कि यह एक किफ़यती योजना है जिसपर निवेश करके लंबे समय तक इसका लाभ लिया जा

खुले में छोड़े पशुओं के मालिकों पर कार्रवाई तखतपुर प्रशासन ने दर्ज कराई एफआईआर...

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर तखतपुर प्रशासन ने एसडीएम के मार्गदर्शन में संयुक्त टीम बनाकर बड़ी करवाई की एसडीएम के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग तखतपुर, पशुपालन विभाग तखतपुर और जनपद पंचायत तखतपुर सीईओ की संयुक्त टीम गठित की गई। इस टीम ने क्षेत्र का गहन निरीक्षण किया और पाया कि कई पशु मालिक लगातार नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं तथा अपने पशुओं को खुले में छोड़ रहे हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन ने संबंधित पशु मालिकों के विरुद्ध तखतपुर/सकरी थाने में दो एफ्आईआर दर्ज कराई हैं। एफ्आईआर निम्न प्रावधानों के तहत दर्ज की गई-पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 3 एवं 11, भारतीय न्याय संहिता की धारा 285, 291, इसके साथ ही एसडीएम कार्यालय से



भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के अंतर्गत समन भी जारी किए गए हैं, जिसके तहत संबंधित पशु मालिकों को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना होगा। प्रशासन और जनपद पंचायत तखतपुर टीम ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को

सुरक्षित स्थानों पर रखें। सड़क पर छोड़े गए पशु दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं और नगर, शहर, गाँव की स्वच्छता और सौंदर्य को भी प्रभावित करते हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम एवं सीईओ ज.पं.तखतपुर अपने टीम के साथ स्वयं उपस्थित थे।

गांव भवंरखोह में लव मी इंडिया फेम स्तुति जायसवाल व भजन गायिका अंजलि गंगवाल समेत कई कलाकारों ने बांधा समां.....

■ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहें

कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े

सूरजपुर संवाददाता। जिले के जनपद पंचायत ओड़गी के गांव भवंरखोह में नवयुवक दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में शिव पहरी में भव्य जगराता व अलौकिक झांकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया । 200 फिट की ऊंचाई पर स्थित शिव पहरी में कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े की मुख्यातिथि में जगराता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लव मी इंडिया फेम स्तुति जायसवाल व भजन गायिका अंजलि गंगवाल समेत कई कलाकारों ने समां बांधा जिसमें हनुमान जी की, शिव तांडव व राधा कृष्ण की अलौकिक झांकी प्रस्तुत की गई |जहां बारिश में भिगते हुए पूरी रात हजारों की संख्या में भक्तों ने जगराता कार्यक्रम का आनंद लिया।



शंकर पहरी के विकास के लिए कई घोषणाएं

कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े ने शिव पहरी के विकास के लिए सीसी रोड, समतलीकरण व शेड निर्माण कार्य

की घोषणा की है। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य बाबूलाल मरापो , ओड़गी जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश तिवारी,बुजेश काशी, खेलसाय राजवाड़े, संजू सिंह,मानी बग्गा,प्रियंशु यादव समेत समिति के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

सकता है। इस महत्वपूर्ण योजना के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार जताया और लोगों से योजना का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत केवल 1 बार निवेश करना है जिसके बाद 25 वर्षों तक बिजली की आपूर्ति होती रहेगी। जिसके लिए बैंक द्वारा कम ब्याज दर पर ऋण की भी सुविधा दी जाती है। उन्होंने कहा कि यह पर्यावरण की दृष्टि से बेहद उपयोगी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह इस योजना को अपनाकर सौर ऊर्जा का उपयोग करते हुए बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनें और पर्यावरण संवर्धन में अपना योगदान दें। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा इस योजना में 30 हजार रूपये से लेकर 78 हजार रूपये तक अनुदान और राज्य सरकार द्वारा 30000 तक अनुदान दिया जा रहा है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ता पीएम सूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट इन वेब पोर्टल अथवा पीएम सूर्यघर एप में पंजीयन करा सकते हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने रीपा केद्रों का किया गया निरीक्षण



केंद्रों में कार्यरत स्व सहायता समूह के सदस्यों एवं एनआरएलएम स्टाफको कार्य में प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान दुर्गा शंकर सोनी डीएमएम, तीनों जनपदों के सीईओ और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

परिवहन और पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयास से लर्निंग लाइसेंस कैंपों का सफल आयोजन



गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ शासन के सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज जिले में एक सराहनीय पहल के रूप में लर्निंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। परिवहन और पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयास से जिले के विभिन्न महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में एक साथ कैंप लगाए गए, जिनमें विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने बह-चढ़कर हिस्सा लिया। इस व्यापक अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके नजदीकी स्थानों पर लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा प्रदान करना रहा। मौके पर ही आवेदकों के लर्निंग लाइसेंस बनाकर वितरित किए गए, जिससे लोगों को लाइसेंस प्रक्रिया के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। कैंप का पैकरा जिला पंचायत सदस्य, श्री अजय अग्रवाल, श्री संदीप अग्रवाल, श्री राजीव त्रापत सिंह, मनोज अग्रवाल, श्री नीरज तायल, डा. एचएन चदुर्वेदी, श्री सत्यनाराण पैकरा, कृष्ण कुमार गोयल, अरविंद मिश्रा, विजय राजवाड़े, संत सिंह, राजेश्वर तिवारी, रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्य, जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर, वनमण्डाधिकारी श्री पंकज कमल, सीएमएचओ डॉ कपिल देव पैकरा व अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

भाग लिया। लोगों को सड़क सुरक्षा और ट्रैफ़िक नियमों की जानकारी दी गई। साइबर फ्रेंड के प्रति लोगों को सतर्क किया गया। युवाओं को कानून पालन और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक एस.आर. भगत की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा सफलता के लिए मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह कानून का पालन करे और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहे। उन्होंने साइबर अपराध, विशेषकर डिजिटल अरेस्ट जैसे फर्जी कॉल से बचने के उपाय बताए और लोगों को 1930 हेल्पलाइन नंबर का प्रयोग करने की सलाह दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओम चंदेल ने आश्चस्त किया कि छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के कैंप आयोजित किए जाचें रहेंगे। इस अवसर पर परिवहन विभाग की नोडल अधिकारी बबोता शर्मा ने लर्निंग लाइसेंस प्रक्रिया की जानकारी दी और ऑनलाइन आवेदन, आवश्यक दस्तावेजों तथा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रकाश डाला। जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा ने बताया कि विभाग का प्रयास है।

शारदीय नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा

नवरात्रि के पांचवें दिन मां के पंचम स्वरूप माता स्कंदमाता की पूजा- अर्चना की जाती है। मां अपने भक्तों पर पुत्र के समान स्नेह लुटाती हैं। मां की उपासना से नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है। मां का स्मरण करने से ही असंभव कार्य संभव हो जाते हैं। भगवती के स्कंदमाता स्वरूप की उपासना नवरात्र की पंचमी तिथि पर विशेष रूप से की जाती है। देवी के इस स्वरूप की आराधना से व्यक्ति की सभी कामनाएं पूर्ण होती हैं वहीं उसके मोक्ष का मार्ग भी सुलभ हो जाता है। कार्तिकेय की माता होने के कारण ही देवी के इस स्वरूप को स्कंदमाता नाम मिला। काशी खंड, देवी पुराण और स्कंद पुराण में देवी का विराट वर्णन है। मां की उपासना से परम शांति और सुख का अनुभव होता है।

पूजा में पीले रंग के वस्त्र पहनना शुभ होता है। भक्त मां को जल, चंदन, कुमकुम, फूल, फल और केले का भोग लगाकर उनकी आरती करते हैं और स्कंदमाता के मंत्रों का जाप करते हैं। इस पूजा से संतान सुख, बुद्धि-विवेक में वृद्धि होती है और माता की कृपा से अलौकिक तेज की प्राप्ति होती है।



पूजा की विधि:

स्नान और वस्त्र: ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और पीले रंग के स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
पूजा सामग्री: चौकी पर पीला वस्त्र बिछाकर मां स्कंदमाता की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करें। उन्हें फूल, फल, मिठाई, लौंग, इलायची और केले का भोग लगाएं।

दीप जलाएं और आरती करें: धूप और घी का दीपक जलाकर मां स्कंदमाता की आरती करें।

मंत्र जाप और पाठ: स्कंदमाता के मंत्रों का जप करें और स्कंदमाता चालीसा का पाठ भी करें।

प्रसाद वितरण: प्रसाद के रूप में केला ग्रहण करें, इससे स्वास्थ्य और संतान संबंधी बाधाएं दूर होती हैं।

रंग - मां स्कंदमाता को श्वेत रंग प्रिय है। मां की उपासना में श्वेत रंग के वस्त्रों का प्रयोग करें। मां की पूजा के समय पीले रंग के वस्त्र धारण करें।

पूजा का महत्व:

संतान प्राप्ति

यह माता का रूप ममतामयी माना जाता है। जो लोग संतान की इच्छा रखते हैं, उन्हें स्कंदमाता की विशेष रूप से आराधना करनी

चाहिए।

बुद्धि और विवेक:

इस पूजा से बुद्धि और विवेक में वृद्धि होती है। स्कंदमाता की आराधना से मोक्ष की प्राप्ति होती है और भवत भवसागर पार करने में सफल होता है।

तेज और कांतिमय स्वरूप:

सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण, इनकी उपासना से व्यक्ति को अलौकिक तेज और कांतिमय स्वरूप प्राप्त होता है।

स्कंदमाता के मंत्र

मां स्कंदमाता का वाहन सिंह है। इस मंत्र के उच्चारण के साथ मां की आराधना की जाती है।

सिंहासनगता नित्यं

प्रभाश्रितकदया।

शुभदासतु सदा देवी

स्कंदमाता यशस्विनी॥

खुद को एक्टिव रखने के लिए करें प्राणायाम

बारिश की वजह से मौसम एक बार फिर से बदल गया है। अब हल्की ठंडक होने लगी है। जब भी बारिश का मौसम होता है तो ज्यादातर लोगों का मूड बदलने लगता है और आलस आना शुरू हो जाता है। इस दौरान लोगों की एक्टिविटी कम हो जाती है। इस दौरान ज्यादातर लोगों को बिस्तर पर दुबके रहने अच्छा लगता है, लेकिन एक्टिव न रहने से हम अधिक संक्रमणों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण हेल्थ को भी नुकसान पहुंचता है। इस मौसम में एक्टिव रहने के लिए खुद को मोटिवेट करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में कुछ सरल योगासन आपको एक्टिव रहने में मदद कर सकते हैं। जानिए 2 ऐसे योगासन जिनकी मदद से आप एक्टिव रह सकते हैं।



कपालभाति प्राणायाम

ये प्राणायाम शरीर को डिटॉक्सिफाई करने का एक बेहतरीन तरीका है। इस तकनीक से श्वसन तंत्र को साफ करने और शरीर को एनर्जेटिक बनाने में मदद मिलती है। यह प्राणायाम फेफड़ों से बासी हवा को बाहर निकालने और खून को शुद्ध करने में भी मदद करता है। इसे करने के लिए क्रॉस-लेग्ड स्थिति में आराम से बैठें। फिर अपने हाथों को

नाड़ी शोधन प्राणायाम

ये प्राणायाम मानसिक स्पष्टता को बढ़ावा देता है, तनाव को कम करता है और तंत्रिका तंत्र को शांत करता है। इसे करने के लिए अपनी रीढ़ सीधी और कंधों को आराम देकर आरामदायक स्थिति में बैठें। अब अपने दाहिने अंगुठे से अपनी दाहिनी नासिका बंद करें और बायीं नासिका से गहरी सांस लें। फिर अब, अपनी दाहिनी अनामिका से अपनी बाईं नासिका को बंद करें, दाहिनी नासिका को छोड़ें और पूरी तरह से सांस छोड़ें। दाहिनी नासिका से गहरी सांस लें। दायीं नासिका को फिर से बंद करें, बायीं नासिका से सांस छोड़ें। 4 से 5 मिनट को लिए इस प्राणायाम को करें, ध्यान रखें बीच में गैप भी रखें।



कपड़ों पर लगे इंक के दाग हटाने के टिप्स



अगर आपको भी अपने बच्चे से यह शिकायत रहती है कि वो रोजाना अपनी स्कूल ड्रेस में इंक के दाग लगाकर लाता है। जिसे आसानी से साफ करना आपके लिए नामुमकिन काम हो जाता है। तो ये खबर खास आपके लिए ही है। इंक लगी स्कूल की ड्रेस को साफ करना ना सिर्फ समय खराब करता है बल्कि आपके

हाथों के लिए भी कई बार सजा की तरह बना जाता है। अगर आप भी अपने बच्चे की इंक लगी गंदी स्कूल ड्रेस धोने से डरते हैं तो ये घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

विनेगर और डिश सोप

कपड़े से इंक के दाग हटाने के लिए आप

विनेगर और डिश सोप का इस्तेमाल कर सकते हैं। सिरके के इस उपाय को आजमाने से इंक के दाग तक आसानी से निकलने के साथ कपड़े की चमक भी पहले की तरह बनी रहती है। इस उपाय को करने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में विनेगर लेकर इसमें डिश सोप मिला लें। इसके बाद इस लिक्विड को इंक लगे दाग पर लगाकर हल्के हाथों से रब करके करीब 30 मिनट तक कपड़े पर लगा रहने दें। आधे घंटे बाद कपड़े को पानी से साफ कर लें।

कॉर्नस्टार्च और दूध का उपाय

कपड़ों पर लगे इंक के दाग आप कॉर्नस्टार्च और दूध की मदद से भी साफ कर सकते हैं। इस उपाय को करने के लिए आपको सबसे पहले एक कटोरी में कॉर्नस्टार्च और दूध डालकर दोनों चीजों को अच्छे से मिलाना है। अब इस मिश्रण को इंक के दाग पर डालकर अच्छी तरह रब करके आधे घंटे के लिए कपड़े पर ही लगा रहने दें। इसके बाद कपड़े को पानी डालकर साफ कर लें।

अगर आपको पौधे लगाने का शौक है और आप अपना स्पेशल गार्डन बना रहे हैं तो हो सकता है कि आपने अपने बगीचे या बालकनी में गुलाब का फूल भी लगाया हो,लेकिन यह एक ऐसा पौधा है जिसे खास देखभाल की जरूरत पड़ती है और हर कुछ दिनों में इसके मिट्टी को न्यूट्रिशनल चीजों से भरना पड़ता है। अगर इनकी मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी हुई तो ये बड़ी आसानी से सूख जाते हैं या इनमें फूल नहीं आता है। यहां हम बता रहे हैं कि आप गुलाब की जड़ों में किन चीजों को डालकर इन पौधों को हेल्दी फूलों से भरपूर बना सकते हैं।

गुलाब के पौधों की देखभाल के तरीके



केले का छिलका

अगर आप केले के छिलकों को कूड़ा में फेंक देते हैं तो ऐसा ना करें। आप एक जग पानी में इन केले के छिलकों को छोटा छोटा काटकर डालें और दो दिन ढंककर रख दें। फिर इस पानी को गुलाब की जड़ों में डालें। कुछ ही दिनों में गुलाब में फूल आने लगेंगे।



अंडे का छिलका

पौधों को भी कैल्शियम की जरूरत होती है। ऐसे में आप अंडे के इस्तेमाल के बाद इसके छिलकों को धोकर पाउडर बना लें। फिर गुलाब की जड़ पर पड़ी मिट्टी को हटाएं और अंदर इस पाउडर को डाल दें। अब इस पर मिट्टी रख दें। पौधों में कुछ दिनों में फूल आने लगेंगे।

फिटकरी

आप एक जग लें और इसमें एक चम्मच फिटकरी मिला लें। अब इसे रात भर पानी में छोड़ दें। सुबह इस पानी को गुलाब की जड़ों में डाल लें। इस तरह गुलाब के पौधों में कुछ ही दिनों में कली आने लगेंगी और भर भर कर फूल भी खिलेंगे।

गंधक डालें

आप एक गिलास में पानी लें और इसमें 1 से 2 ग्राम गंधक मिलाएं। गंधक यानी पोटाश मिट्टी में जैसे ही मिलता है गुलाब की जड़ों में जान आने लगती है। इस तरह कुछ ही दिनों में गुलाब में फूल आने लगेंगे।

काँफी बीन्स

गुलाब की जड़ों के लिए काँफी बीन्स भी काफी फायदेमंद होता है। आप इसकी जड़ों में अगर काँफी बीन्स को पीसकर डालें तो ये बेहतरीन खाद की तरह काम करता है और जड़ों से पौधे को न्यूट्रिशन भेजता है।

गाय का गोबर

गाय का गोबर बेहतरीन खाद होता है। आप सुबह के समय गुलाब के जड़ से मिट्टी निकालकर कुछ देर धूप लगने दें। फिर इस खाली गड्ढे में मुट्ठीभर गोबर डालें और मिट्टी भर दें। रोज पानी डालें। इस तरह पौधों को भरपूर पोषण मिलेगा और फूल आने लगेंगे।

आंखों की जांच और उपचार

समाजसेवा के उद्देश्य से मुलुंड (प.) स्थित देवकुंज आई हॉस्पिटल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से नवरात्रि के अवसर पर विशेष नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, जिसमें महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक मात्र 100 रुपये में आंखों की जांच और उपचार की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। शिविर में आधुनिक उपकरणों और अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। संस्था के मैनेजिंग ट्रस्टी सुनील रामनाथ सांनप के मार्गदर्शन में यह उपक्रम आयोजित किया जा रहा है। डॉ. मृदुला भावे, डॉ. मोहिनी मोडक, डॉ. गीताजलि वारवारकर और डॉ. सारंग वर्तकर सहित विशेषज्ञ डॉक्टरों ने इस पहल का स्वागत करते हुए नागरिकों से नेत्र स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने का आवाहन किया। स्थानीय नागरिकों ने इस उपक्रम पर संतोष व्यक्त करते हुए संस्था का आभार माना। नवरात्रि के पावन अवसर



पर देवकुंज आई हॉस्पिटल की यह पहल समाज के लिए वास्तव में एक "दृष्टिदान" सिद्ध हो रही है।

दही में कौन सी चीज मिलाकर खाना फायदेमंद



बड़ी संख्या में लोग अपनी डेली डाइट में दही को जरूर शामिल करते हैं। दही प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है। दही खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है और कई व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है। दही को नमक या चीनी डालकर खाना सामान्य बात है। अधिकतर लोग ऐसा करते हैं, लेकिन आयुर्वेद के सेवन को लेकर कई चौंकाने वाली बातें बताई गई हैं। इसमें



बताया गया है कि दही में कुछ चीजें नहीं मिलानी चाहिए। ऐसा करना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। दही खाने को लेकर की गई लापरवाही लोगों को कम उम्र में ही कई तरह की परेशानियों का शिकार बना सकती है। ऐसे में जरूरी है कि सावधानी के साथ दही का सेवन किया जाए। आज आयुर्वेदिक एक्सपर्ट से जानेंगे कि दही में किन चीजों को मिलाकर खाना नुकसानदायक है और कौन सी चीजें फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

इसके अलावा दही कब खाना चाहिए और कब नहीं। अब आप सोच रहे होंगे कि दही को बिना कुछ मिलाए नहीं खाना चाहिए और इसमें नमक डालकर भी नहीं खाना चाहिए, फिर दही कैसे खाया जाए। इस सवाल पर आयुर्वेद एक्सपर्ट कहती हैं कि दही में आप चीनी और गुड़ मिलाकर खा सकते हैं। जब दही में चीनी मिलाई जाती है, तब इसकी तासीर ठंडी हो जाती है और हर मौसम में इसका सेवन किया जा सकता है। हालांकि दही में गुड़ मिलाकर खाना चीनी से भी ज्यादा फायदेमंद होता है। इससे आपके शरीर को कई बेहतरीन फायदे मिल सकते हैं। अगर आप शुगर के मरीज हैं, तो दही में कम मात्रा में शहद डालकर सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा दही में मूंग की दाल, अलसी के बीज, देसी घी और अंवला मिलाकर खाने से हेल्थ को कई बड़े फायदे मिलते हैं। इससे कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर और कब्ज की समस्या से राहत मिल सकती है।

प्रोटीन से भरपूर बाजरा देगा शरीर को कई फायदे

गेंहू-चावल की जगह आप बाजरे को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं, इस को सूपर फूड भी कहा जाता है। जहां चावल में लगभग 82 % कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है वहीं गेंहू में 76% और बाजरे में 78% कार्बोहाइड्रेट मौजूद होता है। इसके अलावा बाजरे में कॉम्पलेक्स, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी जैसे कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इसके अलावा यह खून में चीनी की मात्रा बढ़ने से भी रोकता है। बाजरे का सेवन करने से डायबिटीज कंट्रोल और हार्ट हेल्दी रखने में मदद मिलती है। तो चलिए आपको बताते हैं इसे खाने से सेहत और क्या-क्या फायदे होते हैं।

नाश्ते में खाने से मिलेगा फायदा

एक्सपर्ट्स की मानें तो यदि बाजरे का सेवन सही समय पर किया जाए तो शरीर को ज्यादा स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। ब्रेकफास्ट के तौर पर आप इसका सेवन कर सकते हैं। इससे आप सारा दिन एनर्जेटिक रहेंगे और आपका पेट भरा हुआ रहेगा। इसके अलावा दोपहर के भोजन में गेंहू या फिर चावल की जगह आप इसका

सेवन कर सकते हैं। रात में बाजरे का सेवन करने से पाचन में मदद मिलती है। इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है जिससे आपको रात में काफी अच्छी नींद आती है।

अच्छी मात्रा में मौजूद होता है प्रोटीन

बाजरे में लगभग 8-12 ग्राम प्रोटीन, फॉक्सटेल बाजरे में 10-12 ग्राम प्रोटीन और रागी में करीबन 7-10 ग्राम प्रोटीन मौजूद होता है। इसके अलावा बाजरे की अलग-अलग किस्म में भी प्रोटीन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। गेंहू या चावल की जगह आप इसका सेवन कर सकते हैं।

मिनरल्स और विटामिन्स युक्त

बाजरा और रागी में बी1, बी2, बी3, बी5, बी6 और बी9 काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। यह विटामिन्स एनर्जी बढ़ाने, पाचन और रेड ब्लड सेल्स कोशिकाएं बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा रागी में विटामिन-के, ए, कैल्शियम, सेलेनियम और आयरन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। इसके अलावा इसमें कुछ खास एंटीऑक्सीडेंट्स बी सामिल होते हैं जो सुपरऑक्साइड रैडिकल्स का असर कम करते हैं।



हार्ट को रखता है स्वस्थ

एक्सपर्ट्स की मानें तो बाजरे में मैग्नीशियम काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। यह हार्ट को स्वस्थ रखने के साथ-साथ उसे धड़कने में भी मदद करता है। इसमें पाया जाने वाला प्रोटीन, कार्डियोवेस्कुलर टिश्यू को बचाने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला विटामिन-बी3 हार्ट डिजीज का खतरा कम करके ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कम करने में मदद करता है।

फाइबर से युक्त

बाजरे में कम 1।3 से 1।8 ग्राम डाइटरी फाइबर मौजूद होता है। वहीं फॉक्सटेल बाजरे

नारियल के तेल का इस्तेमाल करें

नारियल के तेल की मदद से आप नाखूनों पर लगी मेहंदी को चुटकियों में छुड़ा सकते हैं। इसके लिए पैन में पानी गर्म करें। ध्यान रहे कि पानी ज्यादा गर्म ना हो। अब अपने नाखूनों पर नारियल का तेल

चीनी और नींबू की मदद लें

चीनी और नींबू का इस्तेमाल करके भी आप नाखूनों को आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके लिए छोटी कटोरी में चीनी ले लें। अब इसमें नींबू का रस डालकर घोल बनाएं। फिर इस मिक्सचर को नाखूनों पर लगाकर स्क्रब करें। ध्यान रहे कि नाखूनों को हल्के हाथों से ही रब करें। ज्यादा जोर से रगड़ने पर आपने नाखूनों में स्क्रैच आ सकते हैं। कुछ देर तक स्क्रब करने

नाखूनों पर चढ़ गया है मेहंदी का रंग, ऐसे करें रिमूव

लगाएं और फिर हाथों को पैन में रखे गुनगुने पानी में डाल दें। इसके बाद नाखूनों और उंगलियों को आपस में रब करें। कुछ ही देर में आप देखेंगे कि नाखूनों पर लगा मेहंदी का कलर गायब हो जाएगा और आपके हाथ भी पहले से ज्यादा सॉफ्ट और निखरे नजर आएंगे। ये तरीका आप नाखूनों पर लगी हेयर ड्राई या कलर छुड़ाने के लिए भी फॉलो कर सकते हैं।

में करीबन 3 से 3.5 ग्राम, रागी में लगभग 10-1.5 ग्राम, छोटे बाजरे में लगभग 7-8 ग्राम, कोदो बाजरे में लगभग 8-9 ग्राम, बेनयाड बाजरे में लगभग 10-10.5 ग्राम फाइबर पाया जाता है।

के बाद हाथों को साफ पानी से धो लें। इससे नाखूनों पर लगा मेहंदी का दाग साफ हो जाएगा।



